दैनिक

बढ़ता राजस्थान

संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर, कोटा, उदयपुर एवं जोधपुर

RNI NO.RAJHIN/2013/52026

कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष :13 | अंक : 88 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : ₹ 2.00

टोंक | सोमवार, 03 नवंबर, 2025 | कार्तिक त्रयोदशी संवत् - 2082

भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

इसरो ने रचा इतिहास

सेना को मिली नई ताकत

05 बजकर 26 मिनट पर भरी उड़ान

- भारत का सबसे भारी सैटेलाइट CMS-03 पहुंचा अंतरिक्ष में
- 'बाहुबली' रॉकेट से 4,410 किलो के उपग्रह को कक्षा में किया स्थापित
- अब अंतरिक्ष से दुश्मन की हर हरकत पर होगी नजर
- एलवीएम 3-एम5 रॉकेट के जरिए किया लॉन्च

बढ़ता राजस्थान

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। भारतीय धरती से नयी पीढ़ी के स्वदेशी 'बाहुबली' रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी संचार उपग्रह रविवार को सफलतापूर्वक इच्छित कक्षा में स्थापित कर दिया गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि 4,410 किलोग्राम वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को एलवीएम 3-एम5 रॉकेट के ज़रिए प्रक्षेपित किया गया, जिससे भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी को यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल करने में मदद मिली। 24 घंटे तक चले काउंटडाउन के बाद 43.5 मीटर लंबे रॉकेट ने शाम पांच बजकर 26 मिनट पर अंतरिक्ष की उड़ान भरी। उन्होंने कहा कि सीएमएस-03 एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है और यह भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। इसने कहा कि उपग्रह को वांछित भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया। यह 2013 में प्रक्षेपित की गई जीसैट 7 श्रृंखला का प्रतिस्थापन भी है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा कि प्रक्षेपण यान ने संचार उपग्रह को इच्छित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया।

क्या है CMS-03 सैटेलाइट?

CMS-03 (GSAT-7R) एक कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, यानी ये संचार का माध्यम बनेगा। ये पूरी तरह से भारत में ही डिजाइन और बनाया गया है। ये सैटेलाइट नौसेना के जहाजों, हवाई जहाजों, पनडुब्बियों और समुद्री ऑपरेशंस सेंटर्स के बीच तेज और सुरक्षित संचार करेगा।

पीएम मोदी ने इसरो को दी बधाई

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा। हमारा स्पेस सेक्टर हमें लगातार गर्व महसूस करा रहा है। भारत के सबसे भारी कम्युनिकेशन सैटेलाइट, CMS-03 के सफल लॉन्च पर ISRO को बधाई। उन्होंने लिखा कि हमारे स्पेस साइंटिस्ट्स की वजह से, यह तारीफ के काबिल है कि हमारा स्पेस सेक्टर एक्सीलेंस और इनोवेशन का दूसरा नाम बन गया है। उनकी सफलताओं ने देश की तरक्की को आगे बढ़ाया है और अनगिनत लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाया है।

मेक्सिकोः डिपार्टमेंटल स्टोर' में विस्फोट, 23 की मौत

बढ़ता राजस्थान

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिमी मेक्सिको में शनिवार को एक 'डिपार्टमेंटल स्टोर' में आग लगने और विस्फोट होने से बच्चों सहित कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 12 घायल हो गए। सोनोरा के गवर्नर अल्फोंसो दुराजो ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में बताया कि आग सोनोरा राज्य की राजधानी हर्मोसिलो शहर में लगी। सालास चावेज ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लोगों की मौत ''सांस के साथ जहरीली गैस शरीर में जाने'' के कारण हुई। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकारी मामले की हर पहलू से जांच करेंगे।

बेगूसराय में तालाब में कूदे राहुल गांधी, मछली पकड़ने लगे

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार (2 नवंबर) को खगड़िया में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार की सरकार दिल्ली से मोदी जी के ऑर्डर पर चल रही है। यहां आप लोगों के लिए सरकार के पास जमीन नहीं है, लेकिन मोदी जी के पास अडाणी, अंबानी के लिए बहुत जमीनें हैं। आज सुबह मैं और सहनी जी तालाब में मछली पकड़ने गए। ये इसलिए क्योंकि लोगों को लगे कि मेरे साथ राहुल गांधी खड़े हैं। PM मोदी कहते हैं फेसबुक चलाइए। इंस्टाग्राम चलाइए। ऐसा क्यों, ऐसा इसलिए कि वो नहीं चाहते कि आप दूसरी चीजों की बातें करें। आप जो डेटा इस्तेमाल करने के लिए पैसे देते हैं वो ये अडाणी और अंबानी को दे देते हैं। ये लोग वोट चोरी कर के सरकार बनाते हैं। वोटिंग के दौरान आपको बूथों पर जाना है और देखना है कि ये लोग वोट चोरी न कर पाएं। आप हमारे कैंडिडेट्स को जिताइए। महागठबंधन की सरकार बनाइए। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बेगूसराय में चुनावी सभा को संबोधित किया। सभा के बाद वो वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के साथ 3KM दूर तालाब में पहुंचे। मछुआरों के साथ मिलकर जाल से मछलियां पकड़ीं। नाव पर सवार होकर तालाब में गए और छलांग लगाई।

रोड शो के बाद PM ने गुरुद्वारे में मत्था टेका

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को पटना में रोड शो किया। फूलों से सजी गाड़ी से 2.8 किमी का लंबा रोड शो दिनकर चौक से शुरू हुआ। करीब 40 मिनट चला रोड शो उद्योग भवन पहुंच कर खत्म हुआ। इस दौरान प्रधानमंत्री हाथ में पार्टी सिंबल कमल का फूल लेकर हाथ जोड़ कर अभिवादन किया। कुछ लोग घर की छत से पीएम की आरती उतारते नजर आए, कई जगह फूलों की बारिश कर उनका स्वागत हुआ। 'मोदी जिंदाबाद' के नारे लगे। गाड़ी में PM मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, सांसद रविशंकर प्रसाद, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष, मंत्री नितिन नवीन, दानापुर से प्रत्याशी रामकृपाल यादव, संजीव चौरसिया भी रथ पर मौजूद रहे। रोड शो के बाद प्रधानमंत्री पटना के तख्त श्रीहरिमंदिर साहिब गुरुद्वारे पहुंचे। यहां उन्होंने मत्था टेका।

जोधपुर में भीषण सड़क हादसा

सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराया

टैम्पो ट्रैवलर, 15 की मौत

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जोधपुर जिले के फलोदी के पास रविवार रात एक भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई। हादसा बापिणी उपखंड के मतोड़ा इलाके में हुआ, जहां एक टेंपो ट्रेवलर खड़े ट्रेलर से टकरा गया। मृतकों में 4 बच्चे, 10 महिलाएं और ड्राइवर शामिल हैं, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को पहले ओसियां अस्पताल और बाद में जोधपुर रेफर किया गया। सभी यात्री जोधपुर के सूरसागर क्षेत्र के रहने वाले थे और बीकानेर जिले के कोलायत स्थित कपिल मुनि आश्रम से दर्शन कर लौट रहे थे। हादसा शाम करीब 6:30 बजे भारत माला हाईवे पर हुआ। एक

प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार ट्रेलर भारत माला हाईवे पर बने ढाबे के बाहर खड़ा था। हाईवे पर तीसरी लेन में आगे चल रहे ट्रक को ओवरटेक कर रहा तेज रफ्तार टेंपो ट्रेवलर सड़क किनारे खड़े ट्रक से ट्रेवलर टकरा गया। हादसे के बाद टेंपो ट्रेवलर आगे से पूरी तरह कबाड़ बन गया। लोगों ने टेंपो ट्रेवलर के दरवाजे काटकर काफी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक, मतोड़ा से जोधपुर के एमडीएम अस्पताल में 2 घायल महिलाओं को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर लाया गया। घायल महिला तारा सांखला (46) और गुणवती (40) को मथुरादास माथुर अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।उधर, हादसे के बाद मौके पर लंबा जाम लग गया था। मतोड़ा थाना पुलिस मौके से वाहनों को हटाने में जुटी रही। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने लिखा- राजस्थान के फलोदी जिले में हुए एक हादसे में हुई जान-माल की हानि से दुखी हूं। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं।

तेलंगाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने BRS ऑफिस पर हमला किया

बढ़ता राजस्थान

तेलंगाना के खम्मम जिले के मनुगुरु इलाके में रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने BRS (भारत राष्ट्र समिति) के स्थानीय ऑफिस पर हमला कर दिया। उन्होंने ऑफिस में तोड़फोड़ की, फर्नीचर जलाया और कांग्रेस का झंडा फहरा दिया। वायरल वीडियो में कांग्रेस के झंडे थामे लोग BRS ऑफिस में घुसते और नारेबाजी करते दिखाई दिए। झड़प के दौरान दोनों पक्षों में मारपीट हुई और कुछ लोग घायल भी हुए। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं की है। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने "हमें हमारा ऑफिस वापस दो" के नारे लगाते हुए प्रदर्शन भी किया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। इधर, कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है- BRS शासन के दौरान उनका ऑफिस जबरन कब्जा कर लिया गया था। उनका कहना है कि तब के विधायक ने पुलिस सुरक्षा में कांग्रेस दफ्तर पर कब्जा कर उसे BRS के गुलाबी रंग में रंगवा दिया था। हम इसे फिर वापस लेंगे। BRS ने X पर कांग्रेस पर हिंसा का आरोप लगाते हुए कहा, "कांग्रेस का मतलब है दबाव और दमन। जनता को ऐसे गुंडागर्दी से दबाने की कोशिश की गई तो जनता ही कांग्रेस नेताओं को जवाब देगी।" BRS के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने इसे मौजूदा कांग्रेस सरकार के तहत कानून व्यवस्था की नाकामी और "गुंडाराज" की मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि "बीआरएस परिवार के 60 लाख कार्यकर्ता मनुगुरु के साथ खड़े हैं। कांग्रेस के गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है, उनका अहंकार ज्यादा दिन नहीं चलेगा।"

आईसीसी महिला वनडे विश्व कपः फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराया

बढ़ता राजस्थान

नवी मुंबई (एजेंसी)। दीप्ती शर्मा के ऑलरांउड प्रदर्शन (58 रन व 39 पर 4 विकेट) और शेफाली वर्मा की तुफानी पारी (87) की बदौलत भारतीय शेरनियों ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार आईसीसी महिला वनडे विश्व कप चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। पुरूषो के बाद महिलाओं ने भी विश्व क्रिकेट में अपनी धाक कायम करते विश्व की सिरमौर बनी। दक्षिण अफ्रीका ने 299 रनों के लक्ष्य पीछा करते हुए पूरी टीम 45.3 ओवर में 246 रन पर आल आउट हो गई। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शानदार 101 रन बनाए। उसने अकेले हाथों काफी संघर्ष किया, लेकिन अपनी टीम को जीत दिलाने में नाकाम रही। उसकी ओर से कप्तान के अलावा अनेरी डर्कसन ने (35), सुन लस (25) और तजमीन ब्रिट्स ने 23 रन बनाए। इससे पहले भारत की महिलाओं टॉस हारने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारत ने सात विकेट पर 298 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर शेफाली ने स्मृति मंधाना (58 गेंद में 45 रन) के साथ पहले विकेट के लिए शतकीय (106 गेंद में 104 रन) और जेमिमा रोड्रिग्स (37 गेंद में 24 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 62 गेंद में 62 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने धीमी होती पिच पर बीच के ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी से भारत को 300 रन के अंदर रोक दिया।

सम्पादकीय

भारतीय सेवा क्षेत्र का विरोधाभास

सेवा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख वाहक है। इस क्षेत्र में करीब 18.8 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है और यह सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) में करीब 55 फीसदी का योगदान करता है। इस क्षेत्र के रोजगार के रुझानों और जीवीए से संबंधित नीति आयोग की दो रिपोर्ट बताती हैं कि सेवा क्षेत्र के सुखियों वाले आंकड़ों से परे इसमें विरोधाभास की एक कहानी भी छिपी हुई है। बीते छह साल में इस क्षेत्र में 4 करोड़ रोजगार जुड़े और यह निर्माण क्षेत्र के साथ देश में सबसे अधिक कामगारों की खपत वाला क्षेत्र बनकर उभरा। हालांकि कोविड के बाद इस क्षेत्र की रोजगार प्रत्यास्थता (जो दर्शाती है कि आर्थिक वृद्धि किस हद तक नौकरियों में परिवर्तित होती है) तेजी से बढ़कर 0.63 हो गई है। इसके बावजूद यह पुनरुद्धार विरोधाभासी वास्तविकताओं को छिपाए हुए है। सूचना प्रौद्योगिकी (प्रत्यास्थता 0.88), वित्त (प्रत्यास्थता 0.95), स्वास्थ्य देखभाल (प्रत्यास्थता 0.94) और परिवहन (प्रत्यास्थता 0.89) जैसे उच्च-मूल्य वाले क्षेत्र डिजिटलीकरण, प्लेटफॉर्म आधारित अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक मांग के कारण फल-फूल रहे हैं। लेकिन ये उप-क्षेत्र कामकाजी वर्ग के केवल एक छोटे हिस्से को ही रोजगार प्रदान करते हैं। इसके विपरीत, व्यापार, शिक्षा और व्यक्तिगत सेवाएं जो पारंपरिक रूप से रोजगार की स्तंभ रही हैं, श्रम-प्रधान तो बनी हुई हैं, लेकिन इनमें नौकरियां देने की क्षमता कमजोर होती जा रही है। दूरसंचार (0.79 ऋणात्मक) और बीमा (1.31 ऋणात्मक) जैसे उप-क्षेत्रों में लगातार ऋणात्मक प्रत्यास्थता दर्ज की गई है, जो यह दर्शाता है कि इन क्षेत्रों में पूंजी-प्रधान विकास हो रहा है, जो नौकरियां उत्पन्न करने के बजाय उन्हें प्रतिस्थापित कर रहा है। वृद्धि और रोजगार की यह असंगति ही भारतीय सेवा उद्योग की कहानी को परिभाषित करती नजर आ रही है। आधुनिक सेवाएं पूंजी गहनता वाली हैं। इनकी उत्पादकता अधिक है लेकिन इनमें सीमित रोजगार तैयार होते हैं। पारंपरिक सेवाएं श्रम-प्रधान हैं लेकिन कम मूल्य वाली हैं और आजीविका को बनाए रखती हैं। इसका नतीजा एक विशाल नदारद 'मध्यम वर्ग' के रूप में निकलता है। यानी उच्च वर्ग की वैश्विक रूप से जुड़ी नौकरियों और करोड़ों अनौपचारिक सेवा आधारित आजीविकाओं के बीच एक अंतर जिनमें स्थिरता या सामाजिक सुरक्षा का अभाव है। सेवा क्षेत्र के लगभग 87 फीसदी कामगार औपचारिक सुरक्षा तंत्र से बाहर हैं, और शिक्षित लोगों में भी अनौपचारिकता बनी हुई है। लैंगिक यानी स्त्री-पुरुष का अंतर भी उतना ही चौंकाने वाला है। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 10.5 फीसदी महिलाएं सेवा क्षेत्र में कार्यरत हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 60 फीसदी है। ग्रामीण महिलाएं प्रतिदिन केवल लगभग 213 रुपये कमाती हैं, जो पुरुषों के पगार का आधा भी नहीं है। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा जैसे कुछ क्षेत्रों में महिलाएं आमतौर पर पुरुषों से अधिक कमाती हैं। यह भारत के श्रम बाजार में समानता का एक दुर्लभ उदाहरण है। भू-राजनीतिक रूप से भारत का सेवा क्षेत्र देश की व्यापक आर्थिक असमानता को ही दर्शाता है। कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु उच्च मूल्य वाली सेवाओं मसलन सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त और अचल संपत्ति में दबदबा रखते हैं। बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश पारंपरिक कम उत्पादकता वाली गतिविधियों मसलन खुदरा और व्यापार के क्षेत्र में सक्रिय हैं। शोध से यह पता चलता है कि किसी राज्य की सेवा क्षेत्र की गहनता और प्रति व्यक्ति आय के बीच एक मजबूत संबंध है। यानी जितना अधिक कोई राज्य आधुनिक सेवाओं पर निर्भर करता है, वह उतना ही समृद्ध होता है।

आज का इतिहास

बढ़ता राजस्थान

3 नवंबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएं

- 644 - ईसा पश्चात् - दूसरे मुस्लिम खलीफा उमर इब्न अल खत्ताब की मदीना में एक फारसी गुलाम ने हत्या कर दी।
- 1394 - फ्रांस के सम्राट चार्ल्स षष्ठम ने यहूदियों को फ्रांस से बाहर खदेड़ दिया।
- 1493 - क्रिस्टोफर कोलंबस ने डोमिनिका द्वीप की खोज की।
- 1655 - इंग्लैंड और फ्रांस ने सैन्य और आर्थिक समझौतों पर हस्ताक्षर किये।
- 1762 - ब्रिटेन और स्पेन के बीच पेरिस की संधि हुई।
- 1796 - जॉन एडम्स अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गये।
- 1857 - नानाराव की मथुरा स्थित संपत्ति को ध्वस्त करने के लिये के आदेश-
- 1869 - कनाडा में हैमिल्टन फुटबॉल क्लब अस्तित्व में आया।
- 1903 - पनामा को कोलंबिया से आजादी मिली।
- 1938 - 'असम हिन्दी प्रचार समिति' नामक एक संस्था कायम की गई।
- 1948 - भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपना पहला भाषण दिया।
- 1958 - तत्कालीन सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया।
- 1962 - चीन के हमले के मद्देनजर भारत में गोल्ड बॉन्ड स्कीम की घोषणा की गयी।
- 1984 - भारत में सिख विरोधी दंगों में तीन हजार से ज्यादा लोग मारे गए।
- 1988 - वायु सेना ने आगरा से एक पैराशूट बटालियन समूह को लिया।
- भारतीय सशस्त्र सेना ने मालदीव में हुए एक सैन्य विद्रोह को दबाने में वहाँ की सरकार की सहायता के लिए एक अभियान शुरू किया।
- 1997 - जी-15 समूह का सातवां शिखर सम्मेलन कुआलालम्पुर में प्रारम्भ।
- 2000 - भारत सरकार द्वारा डायरेक्ट टू होम प्रसारण सेवा सभी के लिये शुरू की गयी।

विशेष आलेख

भारत-अमेरिका रक्षा समझौता: 10 वर्षीय साझेदारी के नए आयाम

प्रो.आरके जैन

हिंद महासागर की अथाह गहराइयों में, जहां हर लहर वैश्विक शक्ति-संतुलन की कहानी कहती है, वहीं भारत और अमेरिका का नया रक्षा समझौता एक उदित सूर्य की भांति प्रकट हुआ है जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और सामर्थ्य की अविचल आभा बिखेर रहा है। 31 अक्टूबर को कुआलालंपुर में आयोजित आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' पर हस्ताक्षर किए। यह दस वर्षीय समझौता केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि एक रणनीतिक क्रांति है — जो भूमि, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष और साइबर के हर क्षेत्र में सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। यह साझेदारी 2015 के पुराने ढांचे को पीछे छोड़ते हुए एक मुक्त, समतामूलक और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता का द्योतक है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस पहल को द्विपक्षीय संबंधों का अटल रक्षा स्तंभ बताया, वहीं हेगसेथ के शब्दों में भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी अब अभूतपूर्व ऊँचाइयों पर पहुँच चुकी है। यह महत्त्वपूर्ण समझौता न केवल रणनीतिक समीकरणों को नई दिशा और गति प्रदान करेगा, बल्कि आने वाले दशक में वैश्विक शक्ति-संतुलन की धुरी को भी पुनर्परिभाषित करेगा। इस ऐतिहासिक साझेदारी की जड़ें 1995 तक जाती हैं, जब भारत और अमेरिका ने पहली बार रक्षा सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाया था। समय के साथ यह संबंध और प्रगाढ़ हुआ—2016 का लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (लेमोआ) और 2020 का बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट (बेका) इस विश्वास की मजबूत नींव बने। अब यह नया फ्रेमवर्क सैन्य अंतरसंचालनीयता, सूचना साझेदारी, और तकनीकी नवाचार को नई गति देगा। तथ्य स्वयं बोलते हैं— भारत ने पिछले दशक में अमेरिका से 22 अरब डॉलर से अधिक के रक्षा उपकरण खरीदे हैं, जिनमें सी-17 ग्लोबमास्टर, पी-8आई पोसाइडन, और अपाचे हेलीकॉप्टर जैसे अत्याधुनिक हथियार शामिल हैं। यह समझौता न केवल रणनीतिक विश्वास को गहरा करता है, बल्कि 'मेक इन इंडिया' को भी नई ऊर्जा प्रदान करता है। उदाहरणस्वरूप, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और जीई एयरोस्पेस के बीच एफ-414 जेट इंजन का संयुक्त उत्पादन 2026 तक शुरू होगा यह भारत की रक्षा स्वावलंबन यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। अमेरिकी पेंटागन के अनुसार, मालाबार और टाइगर ट्रायम्फ जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच तालमेल और विश्वास को और प्रगाढ़ करेंगे जो क्षेत्रीय संतुलन और निवारण का दृढ़ आधार बनेंगे। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता विशेषकर दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में के बीच यह समझौता एक सशक्त संतुलनकारी शक्ति के रूप में उभरता है। अमेरिकी रक्षा सचिव हेगसेथ ने चीनी रक्षा मंत्री डोंग जून से भेंट के दौरान इसे क्षेत्रीय स्थिरता का कोरस्टोन करार दिया, जो इसके रणनीतिक महत्व को स्पष्ट करता है। यह नया फ्रेमवर्क रक्षा सहयोग को केवल सीमित दायरे में नहीं रखता, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन तकनीक, और साइबर सुरक्षा जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में साझेदारी को प्राथमिकता देता है। इंडस-एक्स जैसे मंच भारत-अमेरिका के स्टार्टअप्स और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ते हुए स्वदेशी उत्पादन और रोजगार सृजन को नई उड़ान देंगे — अनुमानतः लाखों नई नौकरियां उत्पन्न होंगी। इस सहयोग की बुनियाद पहले ही रखी जा चुकी थी — 2016 में भारत को मेजर डिफेंस पार्टनर का दर्जा और 2018 में स्ट्रैटेजिक ट्रेड ऑथराइजेशन (एसटीए टियर-1) की मान्यता ने इसे संस्थागत मजबूती दी। आज यह साझेदारी केवल सैन्य तालमेल का प्रतीक नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि और तकनीकी स्वावलंबन का भी आधार बन रही है, जो भारत को आने वाले वर्षों में वैश्विक रक्षा नवाचार का केंद्र बना देगी। चुनौतियाँ भी कम नहीं रहीं। अगस्त 2025 में ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय आयात पर 50त्न तक टैरिफ वृद्धि ने दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा किया। इसके जवाब में भारत ने अमेरिकी रक्षा खरीद को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया। साथ ही, रूस से तेल आयात को लेकर वाशिंगटन की आलोचना ने स्थिति को और पेचीदा बना दिया। इन नीतिगत मतभेदों के कारण लगभग 48 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पडने की आशंका थी, जिसके चलते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की वाशिंगटन यात्रा रद्द करनी पड़ी। फिर भी, भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग इन अस्थायी विवादों से ऊपर उठा। 27 अक्टूबर को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की कुआलालंपुर में हुई मुलाकात ने संबंधों में नए सिरे से विश्वास और संवाद का द्वार खोला। अक्टूबर में अमेरिका द्वारा रूस की तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद भारत ने रूसी तेल आयात घटाकर 1.8 मिलियन बैरल प्रतिदिन से कम कर दिया। परिणामस्वरूप, भारतीय रिफाइनरियों की अमेरिकी कच्चे तेल पर निर्भरता 2022 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुँच गई। दक्षिण कोरिया की अपनी यात्रा के दौरान ट्रंप ने यह संदेश दिया कि, भारत के साथ निष्पक्ष व्यापार समझौता हमारी प्राथमिकता है। यह बयान संकेत देता है कि मतभेदों के बावजूद भारत-अमेरिका साझेदारी का सामरिक व आर्थिक भविष्य सशक्त और दीर्घकालिक है। यह दस वर्षीय रणनीतिक फ्रेमवर्क केवल एक समझौता नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाली घोषणा है — जिसकी गूंज वैश्विक मंचों पर सुनाई देगी। 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद के माध्यम से भारत और अमेरिका अब जलवायु परिवर्तन, साइबर युद्ध, और हाइपरसोनिक हथियारों जैसे उभरते खतरों का संयुक्त रूप से सामना करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता क्वांटम कंप्यूटिंग, स्वायत्त प्रणालियों, और उन्नत रक्षा तकनीकों के क्षेत्र में साझेदारी का नया अध्याय खोलेगा। यह साझेदारी भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' और 'एक्ट ईस्ट' नीतियों को अमेरिका की इंडो-पैसिफिक रणनीति से इस तरह जोड़ती है कि क्षेत्रीय और वैश्विक हितों की एक नई धारा प्रवाहित होती दिखती है।

विकसित भारत 2047 : करुणा, सह-अस्तित्व और पर्यावरणीय नैतिकता का नया घोष

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज जब विकसित भारत की बात होती है, तो उसका दायरा उद्योग, प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और आय वृद्धि तक सीमित दिखाई देता है। परंतु एक सच्चा विकसित राष्ट्र वह होगा, जहाँ करुणा, सह-अस्तित्व और दया जैसे मानवीय गुण नीतियों और योजनाओं की आत्मा बनें।

भारत जब अपने स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है, तो यह केवल आर्थिक विकास का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक नैतिक, संतुलित और मानवीय समाज के पुनर्निर्माण का संकल्प भी है। परंतु यह संकल्प तभी सार्थक होगा जब विकास का आधार केवल मनुष्य नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के कल्याण पर टिका हो। आज जब विकसित भारत की बात होती है, तो उसका दायरा उद्योग, प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और आय वृद्धि तक सीमित दिखाई देता है। परंतु एक सच्चा विकसित राष्ट्र वह होगा, जहाँ करुणा, सह-अस्तित्व और दया जैसे मानवीय गुण नीतियों और योजनाओं की आत्मा बनें। भारत का संविधान इस दृष्टि का पथप्रदर्शक है। अनुच्छेद 48(क) राज्य को पर्यावरण और वन्य जीवों की रक्षा करने का निर्देश देता है, जबकि अनुच्छेद 51(क)(छ) प्रत्येक नागरिक का यह मूल कर्तव्य बताता है कि वह जीवित प्राणियों के प्रति करुणा रखे। ये प्रावधान केवल क़ानूनी नियम नहीं, बल्कि उस सभ्यतागत विचारधारा की पहचान हैं जो अहिंसा, दया और वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांतों पर आधारित है। भारत की संस्कृति सदियों से यह सिखाती आई है कि सृष्टि में हर जीव का अपना सम्मान, उद्देश्य और अधिकार है। फिर भी, आधुनिक विकास की दौड़ में पशु कल्याण का स्थान कहीं पीछे छूट गया है। औद्योगिकीकरण, नगरीकरण और अंधाधुंध उपभोग की होड़ ने न केवल प्राकृतिक संसाधनों को प्रभावित किया है, बल्कि असंख्य पशु प्रजातियों के अस्तित्व को भी संकट में डाल दिया है। गिद्धों की घटती संख्या, हाथियों और तेंदुओं के आवासों का सिकुडना, समुद्री जीवों पर प्रदूषण का प्रभाव — ये सब इस असंतुलन के द्योतक हैं। जब किसी पारिस्थितिकी तंत्र से एक भी प्रजाति विलुप्त होती है, तो उसका प्रभाव पूरे पर्यावरण और मानव जीवन पर पड़ता है। विकास के नाम पर जब हम जंगलों को काटते हैं, नदियों को प्रदूषित करते हैं और जानवरों के प्राकृतिक निवास को नष्ट करते हैं, तो यह केवल प्रकृति का नुकसान नहीं बल्कि स्वयं मानवता की जड़ों को कमजोर करना है। इसलिए आवश्यक है कि भारत का विकसित भारत 2047 का दृष्टिकोण केवल मनुष्य की भौतिक समृद्धि पर न टिके, बल्कि सभी प्राणियों के कल्याण को अपना मूल ध्येय बनाए।पशु कल्याण को भारत के विकास दृष्टिकोण में शामिल करना केवल संवेदनशीलता का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह स्थायी विकास की शर्त है। भारत के ग्रामीण जीवन में पशुधन अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। करोड़ों परिवार पशुओं से प्राप्त दूध, ऊन, अंडे और अन्य उत्पादों पर निर्भर हैं। यदि इन पशुओं की देखभाल, आहार, स्वास्थ्य और व्यवहारिक सम्मान का ध्यान रखा जाए, तो उत्पादकता बढ़ेगी और ग्रामीण आय में स्थायित्व आएगा। मानवीय पशुपालन और संसाधनों के संतुलित उपयोग से भूमि की उर्वरता, जल की गुणवत्ता और पर्यावरण की स्थिरता को भी लाभ होता है।इसके साथ ही, पशु कल्याण का संबंध जनस्वास्थ्य से भी प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। कोविड महामारी और निपाह वायरस जैसी घटनाओं ने यह प्रमाणित किया है कि पशु स्वास्थ्य, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण ये तीनों एक दूसरे से गहराई से जुड़े हैं।

लघु कथा

बढ़ता राजस्थान

जैसा करोगे वैसा भरोगे : एक बार की बात है भीष्म पितामह रास्ते से गुजर रहे थे तो उन्होंने एक गिरगिट को तड़पते हुए देखा। यह देखकर उन्होंने गिरगिट पर दया दिखाते हुए अपने बाण से उस गिरगिट को एक किनारे कर दिया। दरअसल उन्होंने गिरगिट को रास्ते से तो किनारे कर दिया था लेकिन वह गिरगिट जाकर कांटों पर गिर गया था। इसी का परिणाम यह हुआ कि भीष्म पितामह को अपनी जिंदगी का अंतिम समय बाणों की सैय्या पर बिताना पड़ा और बाणों की सैय्या पर ही उन्होंने अपने जीवन का त्याग उसी गिरगिट की तरह ही कर दिया, इसीलिए कहा गया है कि जैसा आप कर्म करते हैं वैसा ही आपका भाग्य बनता है। अगर आप

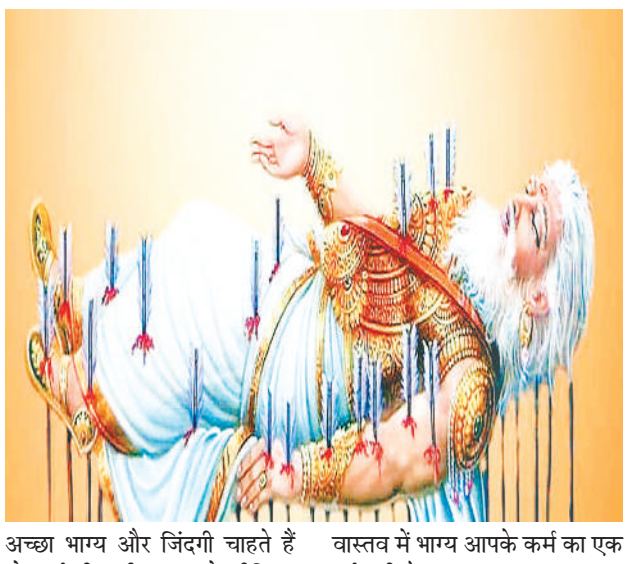

अच्छा भाग्य और जिंदगी चाहते हैं तो कर्म भी उसी प्रकार से कीजिए। वास्तव में भाग्य आपके कर्म का एक दर्पण ही है।

हैल्थ टिप्स

बढ़ता राजस्थान

डीप वेन थ्रोम्बोसिस की समस्या से छुटकरा दिला सकते हैं ये योगासन, पैरों के दर्द और सूजन से मिलेगी राहत

बदलती जीवनशैली के कारण वर्तमान समय में लोग कई तरह की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। आजकल ज्यादातर लोग दिनभर कंप्यूटर पर बैठकर काम करते रहते हैं। लगातार लंबे समय तक बैठने की आदत से डीप वेन थ्रोम्बोसिस की समस्या हो सकती है। इस बीमारी में पैर के निचले हिस्से में खून का थक्का जमने लगता है, जिससे गंभीर दर्द, सूजन व अन्य समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में इसका समय पर इलाज करवाना बहुत जरूरी हो जाता है। अगर आप डीप वेन थ्रोम्बोसिस की समस्या से परेशान हैं, तो कुछ योगासनों को अपने डेली रूटीन में शामिल कर सकते हैं

ताड़ासन : इस योगासन को करने के लिए जमीन पर सीधे खड़े हो जाएं। इस दौरान अपनी कमर को सीधा रखें और आपके पैर आपस में जुड़े होने चाहिए। अब हाथ जोडने की मुद्रा में खड़े हो जाएं और धीरे-धीरे अपने हाथों को ऊपर की ओर ले जाएं। अब अपनी एडियों पर उठने की कोशिश करें और शरीर का भार अपने निचले हिस्से पर डालें। कुछ सेकंड तक इस स्थिति में रहने के बाद वापस सामान्य अवस्था में आ जाएं। इस प्रक्रिया को 10-15 बार दोहराएं।

अधोमुख श्वानासन : इस आसन को करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। अब अपने हाथ और पैरों को जमीन पर रखते हुए, अपने पीठ और कूल्हों को ऊपर की ओर उठाएं। इस मुद्रा में 1-2 मिनट तक रहें। इसके बाद सांस छोड़ते हुए प्रारंभिक मुद्रा में आ जाएं। इस प्रक्रिया को 3-5 बार दोहराएं।

विपरीत करणी : इस आसन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दीवार के पास योगा मैट बिछाकर बैठ जाएं। इस दौरान दीवार आपके बाएं हाथ की तरफ होनी चाहिए। अब घुटनों को मोड़ते हुए पैरों को अपने कूल्हे के पास ले आएं।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, अपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको बिजनेस में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। दान पुण्य के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी।

वृष

आज आपको काम को लेकर टेंशन बनी रहेगी। आपकी किसी मित्र से भी खटपट हो सकती हैं। संतान के करियर को लेकर आप उन्हें कहीं बाहर भेज सकते हैं। कारोबार में आपको एक नई गति मिलेगी।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपका कोई बनते-बनते काम अटक सकता है। माता जी से कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत कर लें, नहीं तो कोई भयंकर लड़ाई झगड़ा हो सकता है।

कर्क

आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी नए पद की प्राप्ति होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा और आपका कोई सरकारी काम यदि लंबे समय से अटका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है।

सिंह

आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आप अपने लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करेंगे और संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कन्या

आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपके शत्रु में प्रबल रहेंगे, लेकिन वह आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। प्रेम जीवन में चल रही समस्याओं से आपको छुटकारा मिलेगा। मन में प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला

आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आपको अपनी वाणी की सौम्यता को बनाए रखना होगा। नौकरी मे आपको कुछ समस्या चल रही थी, तो आप उसे दूर करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक

आज आपकी यश और कीर्ति बढ़ेगी। नौकरी में कार्यरत लोगों को अपने वाणी पर संयम रखना होगा। आपको आपका रुका हुआ धन मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन आप अपने कामों को लेकर ढील बिल्कुल ना दें।

धनु

आज आपको अपने बढ़ते खर्च पर कंट्रोल करने की आवश्यकता है। आपका धन यदि कहीं फंसा हुआ था, तो वह भी आपको मिल सकता है। परिवार में यदि प्रॉपर्टी को लेकर कोई मतभेद उत्पन्न हो।

मकर

आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, जो विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता की तैयारी में लगे हैं, उन्हें अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका खर्चा बढ़ सकता है।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए किसी नई संपत्ति की प्राप्ति के लिए रहेगा। आपको आर्थिक लेनदेन मे सावधानी बरतनी होगी। आप अपने जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान दें। घर परिवार में सदस्यों का आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा।

मीन

आज का दिन आपके लिए एक के बाद एक खुशखबरी लेकर आने वाला है। आपको अपनी बुद्धि से लिए गए निर्णय से फायदा होगा। आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। माता-पिता का आशीर्वाद से आपका रुका हुआ काम होगा पूरा होगा।

'सरदार@150 यूनिटी मार्च' से एकता का संदेश

राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सेवा भावना के मूल्यों से युवाओं को जोड़ेगा यह अभियान

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पदयात्राओं के रूप में आयोजित होने वाले सरदार@150 यूनिटी मार्च की तैयारियों को लेकर रविवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कलक्टर काना राम ने की, जबकि पदयात्रा के राज्य संयोजक एवं खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल राज्य संयोजक के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में मीडिया प्रतिनिधियों के समक्ष भारत सरकार द्वारा यूनिटी मार्च के संबंध में जारी प्रेरणादायक वीडियो प्रदर्शित किया गया।

प्रेस वार्ता के दौरान 'सरदार@150 यूनिटी मार्च माय भारत डायरी' का विमोचन भी किया गया, जिसे उपस्थित अतिथियों ने एकता अभियान का दस्तावेज और प्रेरणा-स्रोत बताया। विधायक जितेन्द्र गोठवाल ने कहा, सरदार पटेल ने जिस दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रभक्ति से भारत की 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरोया, वही भावना इस यूनिटी मार्च की प्रेरणा है। सरदार पटेल के योगदान से जन-जन को अवगत कराने और युवाओं में राष्ट्रीय एकता की चेतना जगाने के उद्देश्य से यह पदयात्राएं आयोजित की जा रही हैं।

जिले में दो प्रमुख पदयात्राएं आयोजित की जाएंगी

पदयात्रा के राज्य संयोजक एवं खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल ने प्रेस वार्ता में बताया कि खंडार में 15 नवम्बर को खंडार में फलोदी के टोडरा शिव मंदिर से वनखंडी बालाजी तक एवं 16 नवम्बर को गंगापुर सिटी में उघाड़मल बालाजी मंदिर से पुरानी अनाज मंडी स्थित सीताराम जी मंदिर तक आयोजित की जाएगी। इन पदयात्राओं में 8-10 किमी की दूरी तय की जाएगी, जिसमें 500 से अधिक युवाओं एवं नागरिकों की भागीदारी होगी। प्रेस वार्ता के दौरान जिला कलक्टर काना राम ने कहा कि भारत सरकार के निर्देशानुसार 'यूनिटी मार्च' को उत्सव के रूप में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर खंडार पंचायत समिति प्रधान नरेंद्र चौधरी, माय भारत जिला युवा अधिकारी हर्षित खंडेलवाल, जिला समन्वयक एनएसएस राकेश मीना ,पदयात्रा की जिला संयोजक मीरा सैनी, सहसंयोजक हरफूल बैरवा एवं शुभम भारद्वाज , जिले के पत्रकारों सहित विभागीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक शाम गौ माता के नाम कार्यक्रम : जिले को 263 करोड़ रुपए लागत के विभिन्न कार्यों की सौगात

कृषि एवं आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ी मीणा विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। कृषि, उद्यानिकी, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबंधन विभागों के मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के प्रयासों से सवाई माधोपुर जिला विकास कार्यों में लगातार अग्रणी है। इस क्रम में सोमवार को जिले को 263 करोड़ रुपये से अधिक लागत के कार्यों की सौगात मिली। डॉ. मीना के जन्मदिवस 3 नवम्बर के दिन दिवाली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट प्रसादी वितरण महोत्सव के अवसर पर आयोजित एक शाम गौ माता के नाम कार्यक्रम के दौरान इन कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा।

मंत्री डॉ. मीणा कुल 107 करोड़ रुपए लागत की 63 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का शिलान्यास करेंगे। इस दौरान 15 किलोमीटर से अधिक लम्बाई की सड़कों के मरम्मत और सुदृढ़ीकरण कार्यों का लोकार्पण भी किया जाएगा, जिनकी लागत लगभग 32 करोड़ रुपये है। राज्य सरकार

ने जिले के लिए इन सड़क विकास कार्यों की घोषणा राज्य बजट 2025-26 में की थी। सवाई माधोपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए स्वीकृत लगभग 140 करोड़ रुपए की इस राशि से जिला मुख्यालय सहित विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों के सुदृढ़ीकरण, चौड़ाईकरण, सौन्दर्यकरण और निर्माण कार्य स्वीकृत हुए हैं।

डॉ. मीना इस कार्यक्रम के दौरान मलारना डूंगर क्षेत्र में ईसरदा दौसा पेयजल परियोजना के तहत ग्रामीण इलाकों में पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए दो उच्च जलाशयों के निर्माण कार्यों का भी शिलान्यास करेंगे। लगभग 70 करोड़ रुपए लागत के इन दो जलाशयों से 61 गांवों में पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। इसके साथ ही नगर परिषद सवाई माधोपुर की ओर से लटिया नाले की सुरक्षा दीवार और हम्मीर सर्किल के सौंदर्यकरण कार्यों का भी शिलान्यास होगा। इन विकास कार्यों की कुल लागत लगभग 38 करोड़ रुपए है। कृषि मंत्री नगर परिषद सवाई माधोपुर में 15 करोड़ रुपये से टाउन हॉल और लगभग 19 लाख रुपए रुपये की लागत से श्री राधा कृष्ण पुस्तकालय एवं वाचनालय में कमरे निर्माण कार्यों का भी शिलान्यास करेंगे।

राहोली में भामाशाह सहयोग से लगाए सीसीटीवी कैमरे

बढ़ता राजस्थान

टोंक (पुरूषोतम जोशी)। पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राहोली में भामाशाह सहयोग से चार हाई नाइट विजन आई पी सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। यह पहल विद्यालय की सुरक्षा एवं अनुशासन व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। यह कैमरे भामाशाह चतरपाल सिंह राजावत और दामोदर सिंह राजावत की ओर से लगवाए गए है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र सिंह नरूका ने इस अवसर पर कहा कि भामाशाहों के सहयोग से लगे ये सीसीटीवी कैमरे न केवल विद्यालय की सुरक्षा को बढ़ाएंगे, बल्कि अनुशासन को भी बेहतर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कदम से विद्यालय के परिसर

में सुरक्षा की एक नई भावना विकसित होगी, जिससे अभिभावकों में भी विश्वास बढ़ेगा। भामाशाह चतरपाल सिंह राजावत ने इस पहल की आवश्यकता को बताते हुए कहा कि आज के समय में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। हमारी यह कोशिश है कि हम विद्यालय के वातावरण को सुरक्षित एवं अनुशासित बनाएं। वहीं भामाशाह दामोदर सिंह राजावत ने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने समाज और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाएं। इस समारोह में स्कूल परिवार की ओर से भामाशाहों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण रामावतार माली एवं शिक्षक प्रेमचन्द बैरवा भी उपस्थित रहे। रामावतार माली ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जो हमारे बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा। सीसीटीवी कैमरे की स्थापना के बाद विद्यालय प्रशासन ने आशा व्यक्त की है कि इससे न केवल परिसर की सुरक्षा में सुधार होगा, बल्कि यह शिक्षण प्रक्रिया को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। विद्यालय के शिक्षक प्रेमचन्द बैरवा ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे न केवल सुरक्षा प्रदान करेंगे बल्कि यह विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए बेहतर अनुशासन का माध्यम भी बनेंगे।

13 दिन से SMS हॉस्पिटल में वेंटिलेटर पर था, 8 अक्टूबर को हुआ था ब्रेन हेमरेज

कजाकिस्तान से एयरलिफ्ट कर लाए MBBS स्टूडेंट ने तोड़ा दम

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। कजाकिस्तान से एयर लिफ्ट कर लाए गए MBBS स्टूडेंट राहुल घोसल्या (22) का निधन हो गया। राहुल का पिछले 13 दिनों से जयपुर के सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल में इलाज चल रहा था। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने राहुल के निधन की पुष्टि की। राहुल को कजाकिस्तान में ब्रेन हेमरेज हो गया था। इसके बाद वहां के अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया था। हालत गंभीर होने पर परिवार ने राहुल को भारत लाने के प्रयास शुरू किए। राज्य सरकार और विदेश मंत्रालय के सहयोग से एयर एंबुलेंस के जरिए जयपुर लाया गया था। यहां SMS हॉस्पिटल में 4 डॉक्टर्स की टीम उनका इलाज कर रही थी। हाईडोज दवाओं के बावजूद उनके ब्रेन में कोई रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा था। आखिरकार 13 दिन बाद इलाज के दौरान राहुल की मौत हो गई। राहुल के निधन की खबर से

शाहपुरा तहसील के नयाबास गांव में शोक की लहर दौड़ गई। राहुल के पिता ने कहा- वे बेटे को डॉक्टर बनता देखने का सपना लेकर जी रहे थे, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। राहुल 7 बहनों का इकलौता भाई था। सभी बहनें उससे बड़ी थी। जानकारी के अनुसार, राहुल साल 2021 से अस्ताना (कजाकिस्तान) से MBBS कर रहा था। 8 अक्टूबर को राहुल कॉलेज की लाइब्रेरी में पढ़ाई कर रहा था। इस दौरान उसे उल्टियां हुईं और चक्कर आने लगे। राहुल वापस हॉस्टल रूम पर आ गया और कुछ दवाएं ली। जब तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो राहुल के दोस्तों ने उसे मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में ही एडमिट करा दिया। परिवार के सदस्यों ने राहुल के दोस्तों से बातचीत के आधार पर बताया था कि अगले 30 घंटों तक वह होश में था। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद से ही राहुल कजाकिस्तान के हॉस्पिटल में वेंटिलेटर सपोर्ट पर था। राहुल का जीवन बच सके और उसे बेहतर इलाज मिले, इसके लिए उसके माता-पिता ने सोशल मीडिया के जरिए भारत और राज्य सरकार से सहयोग मांगा था। उन्होंने एयर लिफ्ट करके राहुल को भारत लाने की गुहार लगाई थी।

एयर एंबुलेंस से दिवाली के दिन लाए थे जयपुर

राहुल को दिवाली के दिन 20 अक्टूबर को कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना से एयर एंबुलेंस के जरिए जयपुर लाया गया था। एयरपोर्ट से उन्हें एसएमएस अस्पताल की क्रिटिकल केयर एंबुलेंस में मेडिकल टीम की निगरानी में अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचते ही राहुल को मेडिकल आईसीयू में भर्ती किया गया था। एसएमएस प्रशासन ने राहुल के इलाज के लिए एक्सपर्ट डॉक्टर्स की टीम गठित की थी। इसमें डॉ. दिनेश खंडेलवाल न्यूरोलॉजी विभाग, डॉ. निहार शर्मा एनेस्थीसिया विभाग, डॉ. जी.एल. धायल जनरल मेडिसिन, डॉ. सतीश मीणा एचओडी इमरजेंसी मेडिसिन और अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. नरेंद्र सिंह चौहान शामिल थे। टीम की मॉनिटरिंग कॉलेज प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी और अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी कर रहे थे।

राहुल की वतन वापसी में राना ने की थी मदद

राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (राना) ने राहुल को भारत लाने में सहयोग किया था। संगठन के अध्यक्ष प्रेम भंडारी ने राहुल के परिजनों से बात करने के बाद भारतीय दूतावास से संपर्क कर राहुल की शिफ्टिंग का प्रयास किया था। विदेश मंत्रालय, इंडियन कम्युनिटी वेलफेयर फंड, राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका और जन सहयोग से कोशिशें कामयाब रही थी। राना अध्यक्ष ने मामले में जयपुर जिला कलेक्टर से भी चर्चा की थी। राहुल के जयपुर पहुंचने के बाद एसएमएस हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था।

भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं अनुशासनहीनता के विरुद्ध मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सख्त कार्रवाई

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजकीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सुनिश्चित करते हुए राज्य सरकार भ्रष्ट, लापरवाह और अनुशासनहीन कार्मिकों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध 8 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 13 कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की हैं। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 17-ए के अन्तर्गत जल जीवन मिशन की निविदाओं में गड़बड़ी के 01 प्रकरण में 03 अभियंताओं के विरूद्ध विस्तृत जांच एवं अनुसंधान करने का पूर्वानुमोदन किया है। साथ ही, सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के 02 प्रकरणों में वार्षिक वेतन वृद्धियां रोकने के दण्ड से दण्डित भी किया गया है। इसी प्रकार, नियम 16 सीसीए में प्रमाणित आरोपों की जांच निष्कर्ष का अनुमोदन करते हुए 01 प्रकरण को राज्यपाल के अनुमोदन हेतु अग्रेषित किया गया है। इसके साथ ही, सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध राज्यपाल से अनुमोदित 01 प्रकरण में पेंशन रोके जाने के दण्ड से दण्डित किया गया है। वहीं, 02 प्रकरणों में सीसीए नियम 34 के तहत अपील याचिका को खारिज करते हुए पूर्व प्रदत्त दण्ड को यथावत रखा गया है।

औषधि गुणवत्ता को लेकर चिकित्सा विभाग सख्त, सघन निरीक्षण जारी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, औषधि गुणवत्ता को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग लगातार सख्त कदम उठा रहा है। चिकित्सा मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में लगातार प्रदेश में दवा निर्माताओं एवं विक्रेताओं के यहां निरीक्षण कर नमूने लिए जा रहे हैं एवं कमियां पाई जाने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में प्रदेश में 24 फर्मों का निरीक्षण कर करते हुए लेवोसेट्रीजीन डाईहाईड्रोक्लोराईड (विनसेट-एल) टेबलेट के स्टॉक पर रोक लगाई गई है एवं करीब 20 लाख रूपए की दवाएं जब्त की गई हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि विगत दिनों देशभर में विभिन्न दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सामने आई स्थिति के बाद प्रदेश में औषधि नियंत्रण आयुक्तालय द्वारा दवा निर्माताओं एवं विक्रेता फर्मों का निरीक्षण किया जा रहा है। दवाओं के नमूने लेकर क्वालिटी जांच की जा रही है एवं किसी भी तरह की शिकायत सामने आने पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला ने बताया कि विगत दिनों मुखबिर से गोपनीय सूचना मिली थी, जिसके के आधार पर औषधि नियंत्रण अधिकारी, धौलपुर द्वारा वाईएल फार्मा,बद्दी, हिमाचल प्रदेश द्वारा निर्मित लेवोसिट्रीजिन डाईहाईड्रोक्लोराईड(विनसेट-एल) टेबलेट के बैच संख्या वाईएलटी-25023 का नमूना लिया गया। राजकीय विश्लेषक औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, जयपुर की जांच में यह दवा नकली श्रेणी की पाई गई। इसमें सक्रिय घटक शून्य पाया गया। इस पर औषधि नियंत्रक डॉ. अजय फाटक को प्रभावी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए थे। औषधि नियंत्रक ने राज्य में अलर्ट नोटिस जारी करते हुये विभिन्न जिलों के सहायक औषधि नियंत्रकों के माध्यम से सम्पूर्ण राज्य में विभिन्न 24 फर्मों के निरीक्षण किये गए और उक्त औषधि के बैच पर रोक लगाते हुये शेष बचे स्टॉक को जब्त किया गया। डॉ. शुभमंगला ने बताया कि वाईएल फार्मा द्वारा निर्मित अन्य औषधियों के अभी तक 44 नमूने व अन्य संदिग्ध निर्माताओं की औषधियों के 9 नमूने लिए गए हैं। साथ ही, करीब 20 लाख रूपए के शेष स्टॉक के विक्रय पर रोक लगा दी गई है। अलर्ट नोटिस जारी होने के उपरान्त कुछ औषधि विक्रेताओं द्वारा नकली औषधि को खुर्द-बुर्द करने का प्रयास किया गया, परन्तु आयुक्तालय के अधिकारियों की सजगता से ऐसे औषधि विक्रताओं को चिन्हित कर औषधि बरामद कर ली गयी। हिमाचल प्रदेश के औषधि नियंत्रक से समन्वय स्थापित कर उक्त औषधि के निर्माता के निर्माण परिसर को भी सील कर आवश्यक कार्यवाही की गयी है।

'अब जब बात निकली है' पुस्तक का हुआ विमोचन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के सूचना और जनसंपर्क विभाग की पूर्व अतिरिक्त निदेशक अलका सक्सेना की नई पुस्तक "अब जब बात निकली है" का शुक्रवार को प्रौढ़ शिक्षा समिति, जयपुर में विमोचन हुआ। इस मौके पर पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव राकेश वर्मा, मुख्यमंत्री कार्यालय के विशेषाधिकारी गोविंद पारीक, विभाग के पूर्व आयुक्त सुनील शर्मा और वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा ने संयुक्त रूप से पुस्तक का लोकार्पण किया। अलका सक्सेना ने इस पुस्तक में अपने 32 सालों से अधिक की जनसंपर्क सेवा के अनुभवों को सधे और बेबाक अंदाज में लिखा है। उन्होंने सरकारी तंत्र की जमीनी सच्चाइयों, एक महिला अधिकारी के तौर पर झेली चुनौतियों, जनसंपर्क के बदलते स्वरूप, नवाचारों और खट्टे-मीठे अनुभवों को सहज भाषा में पेश किया है। इस दौरान पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव राकेश वर्मा ने कहा कि जनसंपर्क सेवा का अनुभव अद्वितीय होता है। जनसंपर्क एक ऐसी विद्या है, जो न केवल अपने शब्दों बल्कि दूसरों के शब्दों को भी निखारने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक न केवल लेखक के पेशेवर जीवन का प्रतिबिंब है, बल्कि, जनसंपर्क और पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए भी व्यावहारिक सीख लेकर आती है। वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा ने कहा कि यह पुस्तक बदलते दौर में जनसंपर्क की भूमिका को पुनर्परिभाषित करने में सहायक साबित होगी।

अधिवक्ता कल्याण एवं बार कौंसिल के सुदृढ़ीकरण में सहयोग के लिए राज्य सरकार तत्पर

नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में राजस्थान बन रहा अग्रणी : सीएम भजन लाल

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का वो मजबूत स्तम्भ है जो समाज में न्याय और समानता की अलख जगाता है। सशक्त न्याय व्यवस्था से ही नागरिकों में सुरक्षा का भाव आता है। उन्होंने कहा कि देश में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों ने न्याय की परिभाषा को बदलने का काम किया है। प्रदेश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को जमीनी स्तर पर लागू किया जा रहा है। जिससे न्याय प्रक्रिया में तेजी आई है और आने वाले समय में देश में अग्रणी राज्य होगा। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री

निवास पर वीसी के माध्यम से जोधपुर में आयोजित बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान के लिए नवनिर्मित भवन लोकतंत्र को और भी मजबूत करने का काम करेगा। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह भवन वर्तमान की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही, भविष्य की पीढ़ियों को भी मार्गदर्शन देगा। शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है। हर व्यक्ति न्याय की आस लेकर कोर्ट-कचहरी में आता है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सुलभ न्याय मिलने से ही विकास की यात्रा पूरा हो सकेगी। न्यायपूर्णता के साथ ही, विकास सार्थक होता है। बार कौंसिल आमजन की न्याय की आकांक्षाओं को पूरी करने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आवश्यकता अनुसार जिला स्तर पर नई अदालतों का सृजन कर रही है। साथ ही नए जजों की नियुक्ति भी तीव्र गति से की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता के हित के कार्य हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिवक्ता कल्याण एवं बार कौंसिल के सुदृढ़ीकरण में सहयोग के लिए हमारी सरकार पूरी तरह से तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिवक्ता समाज के शिल्पकार होने के साथ ही न्याय व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, जिनकी तर्कशक्ति, आपका ज्ञान और आपकी प्रतिबद्धता ही न्याय का आधार है। अधिवक्ता लोगो के भरोसे के जीत की प्रतिमूर्ति हैं। लोगों का यह विश्वास और आस्था ही हमारी न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है और जनता के इस विश्वास को मजबूत करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जोधपुर में आयोजित मुख्य समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस श्री संदीप मेहता, जस्टिस श्री विजय बिश्नोई, राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री संजीव प्रकाश शर्मा, न्यायाधीश जस्टिस डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी, महाधिवक्ता श्री राजेंद्र प्रसाद, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल श्री भरत व्यास, बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चेयरमैन श्री भुवनेश शर्मा, वाइस चेयरमैन श्री देवेंद्र सिंह राठौड़, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के को-चेयरमैन श्री सुरेश चंद्र श्रीमाली सहित न्यायाधीशगण, बार कौंसिल के पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्तागण उपस्थित रहे। वहीं, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री मनन कुमार मिश्रा वीसी के माध्यम से जुड़े।

जल संसाधन मंत्री ने पुष्कर मेले में किया विकास प्रदर्शनी का शुभारम्भ

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस दौरान कृषि एवं उद्यान विभाग के डॉ के.पी. सिंह उपनिदेशक उद्यान ने बगीचे में ऑटोमेशन तकनीक की मशीन के बारे में बताया। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) जिला परिषद श्री संजय तनेजा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय श्री पुष्कर मेला 2025 में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें विभागीय योजनाओं के अनेक मॉडल प्रदर्शित किए गए है। जो किसानों के लिए रुचिकर बने हुए है। राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना फार्म पौंड और तारबंदी योजना, सोलर पंप योजना के मॉडलों ने किसानों अपनी और

आकर्षित किया है। इसके अतिरिक्त जल हौज, ग्रीन हाउस, बूंद-बूंद सिंचाई योजना, मिनी स्प्रिंकलर, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना में वर्मी कंपोस्ट, प्याज भंडारण, शेड नेट हाउस, प्रो ट्रेज मे सैंपलिंग, फलदार बगीचा मॉडल, प्लास्टिक मल्च, लो टनल मे खेती, गुलाब की प्रोसेसिंग यूनिट, एजोला, वर्मी कंपोस्ट, रुफ टॉप गार्डेनिंग, रोटावेटर, सीड ड्रिल, हैरो,कृषि यंत्र के मॉडल, प्राकृतिक खेती में जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र जैसे प्राकृतिक जैव उर्वरक, जैव कीटनाशी का कृषि मे उपयोग आदि योजनाओं पर विभाग द्वारा सजीव एवं प्रैक्टिकल मॉडल बना कर किसानों के लिए प्रदर्शित किया गया है जो जन सैलाब और किसानों को पसंद आया है।

शिक्षा मंत्री ने सालासर में रामकथा में की शिरकत सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर रविवार को चूरू जिले के सालासर बालाजी मंदिर और सालासर में सृजन सेवा सदन में आयोजित रामकथा में भाग लिया तथा धार्मिक कार्यक्रम में अपनी श्रद्धा एवं आस्था प्रकट की। इस दौरान श्री दिलावर ने कथावाचक स्वामी श्रवणानन्द सरस्वती महाराज से सप्रेम भेंट की और आशीर्वाद प्राप्त किया और रामकथा के माध्यम से दिए जा रहे धार्मिक एवं सांस्कृतिक संदेशों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रामकथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यह समाज को आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देने वाला संस्कार पर्व है। दिलावर ने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज को एकता, सद्भाव और नैतिक मूल्यों की दिशा में अग्रसर करते हैं। उन्होंने आयोजकों द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों और सामाजिक योगदान की प्रशंसा की। ऐसे आयोजन जनमानस में सकारात्मक सोच और भक्ति भावना का संचार करते हैं। कथा स्थल पर श्री दिलावर का चमड़िया ग्रुप के सदस्यों ने बालाजी का दुपट्टा ओढ़ाकर और बालाजी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया।

प्रदेशभर में सुदृढ़ हो रहीं कैंसर स्क्रीनिंग सुविधाएं

' गांव-ढाणी तक बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता'

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में कैंसर स्क्रीनिंग सुविधाओं को निचले स्तर तक मजबूत बनाया जा रहा है, ताकि समय पर लक्षणों की पहचान कर आमजन का जीवन बचाया जा सके। इसी कड़ी में अब नागौर जिले के गांव-ढाणियों में आमजन को घर के नजदीक ही स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। इस जांच में विशेष रूप से कैंसर की स्क्रीनिंग की जाएगी, जिसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर जांच की सुविधा सुलभ कराने के उद्देश्य से कैंसर स्क्रीनिंग मोबाइल वैन का संचालन शुरू किया गया है। रविवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्रसिंह खींवसर ने हरी झंडी दिखाकर इस मोबाइल वैन को रवाना किया। इस अवसर पर

चिकित्सा मंत्री ने खींवसर के राजकीय जिला अस्पताल में डायलिसिस सेंटर का विधिवत उद्घाटन भी किया। डायलिसिस सेंटर के प्रारंभ होने से अब इस क्षेत्र के किडनी रोगियों को बड़ी राहत मिलेगी। यहां रोगियों के उपचार हेतु दो डायलिसिस मशीनों की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। चिकित्सा मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण अंचलों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचें। पहले लोगों को बड़ी एवं गंभीर बीमारियों की जांच और उपचार के लिए दूर-दराज के शहरों में जाना पड़ता था, लेकिन अब सरकार ऐसी सुविधाएं गांव-ढाणी तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का समय पर पता लगना ही उपचार का पहला कदम है और इस दिशा में यह मोबाइल वैन ग्रामीण स्वास्थ्य क्रांति का माध्यम बनेगी। खींवसर ने कहा कि स्वस्थ राजस्थान ही समृद्ध राजस्थान का आधार है। स्वास्थ्य सेवाओं को गांवों तक पहुँचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि हर नागरिक को जीवन का अधिकार सच्चे अर्थों में मिल सके। सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा के अभाव में परेशान न होना पड़े। कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI) की महिला संगठन की अध्यक्ष डॉ. रीमी शेखावत का इस मोबाइल वैन को उपलब्ध करवाने तथा इसके संचालन में सहयोग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही, इस कैंसर स्क्रीनिंग मोबाइल वैन में चिकित्सकीय सेवाएं देने हेतु मरूधर हॉस्पिटल, जयपुर के निदेशक डॉ. शिवराज सिंह राठौड़ का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी तथा राजकीय अस्पताल, खींवसर के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामजीत टाक ने अतिथियों का अभिनंदन किया।

श्रमण संघीय जैन दिवाकर चौथमल म.सा. की 148वीं जयंती पर आज

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। श्रमण संघीय जगत् वल्लभ जैन दिवाकर चौथमल म.सा. की 148वीं जन्म जयंती आज सोमवार 3 नवंबर को गुणानुवाद सभा एवं एकासन तप के साथ मनाया जायेगा।

जानकारी अनुसार श्रमण संघीय जगत वल्लभ जैन दिवाकर चौथमल महाराज सा. की 148वीं जन्म जयंती को श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ कपासन के तत्वावधान एवं शासन प्रभाविका साध्वी कंचन कंवर म.सा.,डॉ. सुलोचना म.सा. एवं डॉ. सुलक्षणा म.सा. के सानिध्य में सोमवार को गुणानुवाद सभा व एकासन तप के साथ मनाया जायेगा।जिसके लाभार्थी अशोक कुमार,सूर्य प्रकाश,चन्द्र प्रकाश, ज्योति प्रकाश सिरोया परिवार रहेगा।साथ ही चार्तुमासिक कार्यक्रम के अन्तर्गत 4 नवम्बर को 5 समायीक की दया अम्बेश भवन मे निर्मल कुमार,प्रिन्स कुमार सांवला की ओर से रहेगा।यहां कल 6 नवम्बर को चातुर्मास समापन दिवस एवं कृतज्ञता दिवस के रूप मे मनाया जायेगा।जिसमे साध्वी कंचन कंवर म.सा. के यशस्वी चातुर्मास की समपूर्ती के उपलक्ष्य में मंगलवार 6 नवंबर को चातुर्मासिक विदाई समारोह आयोजित किया जायेगा।इसी दौरान कृतज्ञता ज्ञापन समारोह का आयोजन भी होगा।

इधर वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ कपासन अध्यक्ष सूर्यप्रकाश सिरोया ने बताया कि 7 नवंबर बुधवार प्रातः नगर कपासन में स्थित अंबेश भवन से विहार कर साध्वियों द्वारा आर्दश कॉलोनी तेरापंथ भवन मे प्रवेश किया जायेगा।

पूर्वांचल समिति के प्रयास से मृतक मजदूर के परिजनों को मिला 5 लाख का मुआवजा

बढ़ता राजस्थान

भीलवाडा (अमित शर्मा)। पूर्वांचल जन चेतना समिति (चैरिटेबल ट्रस्ट) के अथक प्रयासों से मनोमय टेक्स लिमिटेड, जोजारो का खेरा (गंगरार) में कार्यरत मजदूर राम नरेश प्रजापति के परिजनों को पांच लाख रुपये का मुआवजा दिलाया गया। जानकारी के अनुसार, राम नरेश प्रजापति की ड्यूटी पर आते समय सडक़ दुर्घटना में गंभीर चोट लगने के बाद इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्वांचल जन चेतना समिति के प्रतिनिधि दिनेश साहनी अपनी टीम के साथ मृतक के परिजनों से मिले और उन्हें राहत दिलाने के प्रयास शुरू किए। प्रारंभ में मिल प्रबंधन द्वारा मामले को टालने की कोशिश की गई, लेकिन समिति के कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में हस्तक्षेप के बाद प्रबंधन को समझौते के लिए तैयार होना पड़ा। समिति की पहल पर मिल प्रबंधन ने मृतक की पत्नी आरती प्रजापति को तत्काल पांच लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की।

एक्सईएन विष्णु दत्त लोधा को मंत्री मदन दिलावर ने दी शुभकामनाएं

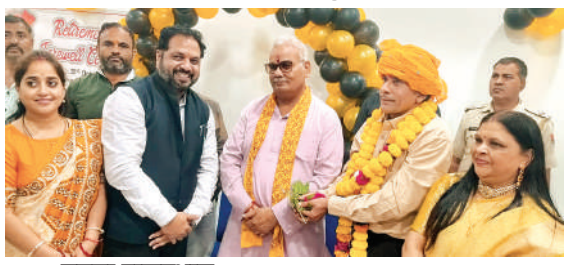

बढ़ता राजस्थान

रामगंजमंडी (मंगल सिंह)। बिजली बोर्ड (जेवीवीएनएल) के एक्सईएन विष्णु दत्त लोधा के सेवानिवृत्ति उपलक्ष्य में शुक्रवार को भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर उपस्थित रहे। मंत्री दिलावर ने कहा कि लोधा का कार्यकाल सदैव यादगार रहेगा। उन्होंने सभी के हित में कार्य करते हुए कभी भेदभाव नहीं किया। लोधा अपने विनम्र, स्नेही और सहयोगी स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उनके कार्यकाल में दो मंदिरों का निर्माण हुआ, जबकि राम दरबार और हनुमान मंदिर का कार्य शीघ्र पूर्ण होने वाला है। समारोह में जब उन्हें विदाई दी गई तो कर्मचारियों की आँखें नम हो गईं।

नवीन मतदाताओं के नाम जोड़ें, दोहरे व मृतकों के नाम हटवाएं: नागर

बढ़ता राजस्थान

सांगोद/कोटा (श्याम गौड़)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने रविवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और नवमतदाता जोडने के अभियान को लेकर सांगोद विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया। इस दौरान सांगोद नगर, देहात, बपावर, कनवास, देवली, सिमलिया और दीगोद भाजपा मंडलों के कार्यकर्ता मोबाइल के माध्यम से वर्चुअली जुड़े। मंत्री नागर ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाता पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय भूमिका निभाए। इसके लिए टीम बनाकर कार्य करें। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2007 तक जन्मे सभी मतदाता नई मतदाता श्रेणी में आएंगे, वहीं 1 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं के नाम भी सूची में जोड़े जाएं।

मंत्री ने निर्देश दिए कि मतदाता सूची का गहन अध्ययन करें, प्रत्येक मतदाता की स्थिति, निवास व संपर्क विवरण का सत्यापन करें, साथ ही दोहरे व मृतकों के नाम सूची से हटवाएं। पात्र नागरिकों के नाम जोड़वाने के लिए बीएलओ से संपर्क करें। नवीन मतदाताओं का सत्यापन निवास प्रमाण या 2002 की मतदाता सूची में अंकित नाम के आधार पर किया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ने किया आश्वस्त, कहा समाधान के लिए हर स्तर पर होगी पहल

कोटा स्टोन को माइनर मिनरल श्रेणी में यथावत रखने की मांग को लेकर बिरला से मिला प्रतिनिधिमंडल

बढ़ता राजस्थान

रामगंजमंडी (प्रमोद राठौर)। केंद्र सरकार के खनन मंत्रालय द्वारा कोटा स्टोन को माइनर मिनरल से हटाकर मेजर मिनरल घोषित करने के प्रस्ताव के विरोध में रविवार को कोटा स्टोन एसोसिएशन व लाइमस्टोन माइनिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने बिरला को ज्ञापन सौंपकर कोटा स्टोन को माइनर मिनरल श्रेणी में यथावत रखने की मांग की।

प्रतिनिधियों नरेंद्र काला और सर्वजीत सिंह आनंद ने बताया कि इस निर्णय से क्षेत्र के हजारों उद्यमियों, व्यापारियों और श्रमिक परिवारों की आजीविका प्रभावित होगी। कोटा स्टोन उद्योग मुख्यतः सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों पर आधारित है। यदि इसे मेजर मिनरल घोषित किया गया तो भारतीय खान ब्यूरो से अनुमोदन, विस्तृत खनन योजना, उच्च रॉयल्टी और जटिल केंद्रीय नियम लागू होंगे, जो छोटे खननकर्ताओं के लिए अव्यावहारिक होंगे।

बिरला ने किया आश्वासन

ओम बिरला ने कहा कि कोटा स्टोन उद्योग हाड़ौती क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से चर्चा की जा चुकी है और वे स्वयं केंद्रीय खनन मंत्री से भी वार्ता करेंगे। मंगलवार को दिल्ली में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें समाधान का ठोस रास्ता निकाला जाएगा। इस मौके पर अखलेश मेडतवाल, दिनेश डपकरा, विकास जोशी, निलेश डडडा, कमलेश गोईन, बाबूलाल मेघवाल, नवनीत बंसल, जुगल किशोर सुनेजा, मन्नालाल गुर्जर, अब्दुल मुकीम, बब्ला सिंह आनंद, रोहित सेठी, ओम परेता, सतनाम सिंह, मनप्रीत सिंह आनंद, सोनू सूद, गौरव गर्ग सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद सी.पी. जोशी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भाजपा करेगी विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय सांसद सी.पी. जोशी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भाजपा नगर मंडल कपासन के संयोजन में दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया जायेगा।

भाजपा नगर कपासन मंडल महामंत्री एवं पूर्व नपा अध्यक्ष गजेंद्र बाघमार ने बताया कि पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद सी.पी. जोशी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भाजपा नगर मंडल द्वारा 3 व 4 नवंबर को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।उक्त कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत? योजना एवं सामाजिक सेवा कार्यों के प्रति समर्पण को प्रतिबिंबित करेगा।सांसद जोशी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 3 नवंबर सोमवार सांयकाल नगर के मुख्य मार्ग स्थित जेलेश्वर गोशाला में स्वच्छता अभियान एवं गौमाता को हरी घास एवं गुड़ खिलाकर गौसेवा की जायेगी।उक्त कार्यक्रम पर्यावरण सुरक्षा एवं गौ संरक्षण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता दर्शाता है।साथ ही 4 नवंबर मंगलवार प्रातः उप जिला चिकित्सालय में फल एवं बिस्किट वितरण तथा बालिकाओं हेतु सुकन्या समृद्धि योजना? के तहत बैंक खाते खुलाने हेतु विधायक कार्यालय कपासन पर दोपहर 12 बजे कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु नवनियुक्त भाजपा नगर मंडल कपासन अध्यक्ष राज विजयवर्गीय द्वारा भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिकाधिक सहभागिता का आह्वान किया गया।

पहले दिन ही छा गई 'म्हारो श्याम', जयपुर में देखने उमड़ी भीड़

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। राजस्थान की मिट्टी की खुशबू से सजी फिल्म म्हारो श्याम ने आज अपने पहले ही दिन दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली। मित्तल मूवीज़ द्वारा निर्मित और मनजूर अली क़ुरैशी के निर्देशन में बनी इस फिल्म की शानदार रिलीज़ जयपुर के जेम्स सिनेमा में हुई।

सुबह के पहले शो से ही थिएटर में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। राजस्थान की लोक संस्कृति, परंपराओं और संवेदनाओं को बखूबी दर्शाने वाली इस फिल्म ने हर किसी को भावुक कर दिया। भावनात्मक कहानी, सुमधुर संगीत और कलाकारों के सशक्त अभिनय ने दर्शकों को बांधे रखा। फिल्म में अभिनेता शशि शर्मा और विजयलक्ष्मी के अभिनय को खूब सराहना मिली। फिल्म के निर्देशक मनजूर अली क़ुरैशी ने कहा, हमारा उद्देश्य राजस्थान की लोकसंस्कृति को बड़े पर्दे पर सजीव करना था, और दर्शकों की प्रतिक्रिया ने हमारे प्रयास को सफल बना दिया। निर्माता मित्तल मूवीज़ की टीम ने भी दर्शकों के उत्साह पर खुशी जताई। रिलीज़ मौके पर कलाकारों और तकनीकी टीम के सदस्य मौजूद रहे। शो के बाद सोशल मीडिया पर दर्शकों ने फिल्म को दिल छू लेने वाली कहानी बताया। राजस्थान की संस्कृति और लोकभावना से सजी म्हारो श्याम ने सच में साबित कर दिया राजस्थान का सिनेमा अब नई ऊंचाइयों की ओर है।

प्रदेश में बढ़ते अपराधों पर सरकार का कंट्रोल नहीं : डॉ. शोएब

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। राजस्थान कांग्रेस कमेटी के सचिव डॉ. मोहम्मद शोएब ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वह प्रदेश में बढ़ते अपराधों और बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर अंकुश लगाएं तथा कानून से खिलवाड़ करने वालों को कड़ी सजा दिलाएं, ताकि जघन्य अपराधों की पुनरावृति नहीं हो। डॉ. शोएब ने कहा कि ऐसा लगता है कि राजस्थान कानून व्यवस्था मुक्त हो गया है एवं अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हत्या, लूट, बलात्कार, चोरी समेत हर तरह का अपराध बढ़ रहा है। त्योहारों का समय ऐसा होता है जब पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था को पूरी तरह से चाक चौबंद किया जाता है, सिक्योरिटी के पक्के अरेंजमेंट होते हैं, इसके बावजूद त्योहारों के बीच में जैसलमेर में डबल मर्डर, बीकानेर में महिला जज से लूट और जोधपुर बिलाड़ा में दलित बालिका के साथ दुष्कर्म हो गया। शिक्षण संस्थाओं आए दिए हो रहे खुदकुशी के मामले बताते है कि राज्य सरकार हर स्तर पर असफल हो रही है। किसी भी मामले में सरकार व प्रशासन की कोई पकड़ नहीं है। डॉ. शोएब ने आज यहां एक बयान में कहा-राजस्थान अब अपराधियों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान बन चुका है, इन्हें किसी का डर नहीं रहा है।

देवउठनी ग्यारस के मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने छूवारी धाम में लगाई आस्था की डुबकी

बढ़ता राजस्थान

पीपल्दा/कोटा (मुकेश गोस्वामी)। खातौली क्षेत्र के बालूपा फाफूजी महाराज छुवारी धाम मेले मे आए सैकड़ो श्रद्धालुओं ने मां पार्वती नदी में आस्था की डुबकी लगाई । अठारहवां क्षेत्र के बालूपा पंचायत मुख्यालय से मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर मध्यप्रदेश व राजस्थान सीमा की पार्वती नदी के किनारे इतिहास समेटे हुए है। जनश्रुतियो के अनुसार ,

छूवारी धाम के फाफूजी महाराज का असल नाम लक्ष्मण देव राठौड था जो अपने ऊटो को चराने के लिए बालुपा गांव के पास पार्वती नदी किनारे ऊटो को चरा रहे थे तभी खींची दरबार से सीमा को लेकर काफी दिनों तक युद्ध चला जिसके निशान पार्वती नदी के किनारे काले पत्थरों पर अपने भाला तलवार शस्त्र घिसने के निशान व घोड़ो के पैरों के निशान आज भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। भीषण युद्ध समाप्ति के दौरान लक्ष्मण देव राठौड़ ने विरोधी खींची दरबार से युद्ध जीत कर प्राचीन गांव व खींचीमहल को ही उल्टा करके जमीन में दफन कर दिया था जिसके सबूत आज भी छूवारी धाम के जंगलों में मिलते हैं। उसके बाद से ही फाफूजी महाराज लक्ष्मण देव राठौड को छुआरी धाम के नाम से जाना जाने लगा इतिहास की गाथा के चलते हिंदू त्योहारों के हिसाब से देवशयनी एवं देवउठनी एकादशी पर आस्था का शैलाब देखने को मिलता चला आ रहा है वही राजस्थान मध्यप्रदेश से बड़ी संख्या में भक्तगण छुआरी धाम स्थित फाफूजी महाराज के दर्शन करने और मां पार्वती की गोद में आस्था की डुबकी लगाने पहुंचते हैं जहां भारी भीड़ को देखते हुए कोटा ग्रामीण खातोली पुलिस थाना द्वारा पुलिस जाप्ता तैनात किया जाता है ताकि छूवारी धाम मेले में कई राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षा व परेशानियों का सामना न करना पड़े।

इंटेक का स्नेह मिलन आयोजित, विरासत संरक्षण में योगदान देने वाले शिक्षकों का किया सम्मान

इंटेक द्वारा विरासत संरक्षण के कार्य अद्भुत और प्रेरणादायी- जिला न्यायाधीश राजेश जैन

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटेक) भीलवाड़ा चैप्टर द्वारा प्रकृति एवं विरासत संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को अद्भुत और प्रेरणादायी बताते हुए जिला न्यायाधीश राजेश जैन ने सराहना की। वे रविवार को होटल नंदिनी में आयोजित स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। न्यायाधीश जैन ने कहा कि प्रकृति और विरासत का संरक्षण केवल किसी संस्था या समूह की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर इंटेक द्वारा विरासत एवं पुरातत्व संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु आयोजित विभिन्न विद्यालय स्तरीय गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में सहयोग करने वाले शिक्षकों का सम्मान किया गया। कन्वीनर बाबूलाल जाजू ने बताया कि पिछले वर्षों में विरासत सलाह और छात्र भागीदारी में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षक विरेंद्र शर्मा, अल्पा सिंह, ऋतु दाधीच, रुचि रस्तोग, प्रीति जैन, विजय शर्मा, चंदना मेहता, भाग्यश्री जैन और श्यामलाल खटीक को प्रशंसा-पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रतियोगिता प्रभारी गुमानसिंह पीपाड़ा ने इंटेक संस्था के उद्देश्यों, चल रहे कार्यक्रमों तथा विरासत संरक्षण से जुड़े प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजक सीए दिलीप गोयल ने बताया कि समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश राजेश जैन एवं अधिवक्ता मुकेश जैन का सम्मान कर की गई। इंटेक सदस्यों ओपी हिंगड़, रतनलाल दरगड़, अब्बास अली बोहरा, मुकेश अजमेरा, दिनेश अरोड़ा, संदीप पोरवाल, अनुग्रह लोहिया, ओमप्रकाश सोनी, रामगोपाल अग्रवाल, सुरेश सुराना, हरक लाल बिश्नोई, राजीव दाधीच और बिलेश्वर डाड़ ने भी कार्यक्रम में भाग लेते हुए विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए तथा विरासत संरक्षण के प्रति अपने अनुभव साझा किए। समारोह में सबने मिलकर संकल्प लिया कि प्रकृति एवं सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा हेतु जनजागरूकता अभियान को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा तथा युवा पीढ़ी को इस दिशा में प्रेरित किया जाएगा।

17 वर्षीय किशोर सूखे कुएं में घायल मिला: इलाज के लिए ले जाते समय मौत

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। धौलपुर जिले के राजाखेड़ा में एक 17 वर्षीय किशोर सूखे कुएं में गंभीर घायल अवस्था में मिला। इलाज के लिए ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया।

किशोर का एक हाथ कंधे से अलग था, जिसे बाद में पुलिस ने कुएं से रेस्क्यू किया है। घटना शनिवार दोपहर राजाखेड़ा थाना क्षेत्र के कुम्हरपुरा गांव के पास हुई। मृतक की पहचान राजाखेड़ा के बाजना गांव निवासी 17 वर्षीय भूपेंद्र उर्फ गोलू पुत्र रामनरेश के रूप में हुई है। परिजनों को किशोर के कुएं में पड़े होने की सूचना मिली थी। वे मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर किशोर को कुएं से बाहर निकाला। उसे इलाज के लिए आगरा ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

शरीर से अलग कटा पड़ा मिला हाथ : घटना की सूचना मिलने पर राजाखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से किशोर के कटे हुए हाथ को कुएं से बरामद किया। फिलहाल, मृतक किशोर के शव को राजाखेड़ा के शहीद राघवेंद्र सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां परिजनों की शिकायत के आधार पर आगेकी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कई नामी होटल-रिसोर्ट की वेबसाइट से 2 करोड़ की ठगी, दो भाई गिरफ्तार

सुनीपुर गांव में खेत विवाद में हुआ एक परिवार के लोगो में झगड़ा,

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। डीग जिले की सीकरी थाना पुलिस और पश्चिम बंगाल पुलिस ने देर रात दबिश देकर 2 सगे साइबर ठग भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पश्चिम बंगाल के एक रिसोर्ट के नाम से फर्जी वेबसाइट बना ली थी। इसके जरिए आरोपी बुकिंग करने वाले लोगों से ठगी कर रहे थे। 6 महीने में आरोपी 50 लाख की ठगी कर चुके हैं। इसके अलावा आरोपियों ने देश के कई नामी होटल की फर्जी वेबसाइट बनाई हुई है।

फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगी

पश्चिम बंगाल के पूर्वा मेदनीपुर कोतवाली के आकाश यादव ने बताया कि सौरविक चक्रवर्ती ने एफआईआर दर्ज करवाते हुए बताया था कि कुछ लोगों ने उनके रिसोर्ट के नाम से एक फर्जी वेबसाइट बना ली है। जिसमें उनका मोबाइल नंबर जुड़ा हुआ है। उन्होंने कई लोगों ने रिसोर्ट में बुकिंग के नाम पर ठगी कर ली है। जब कुछ ग्राहक फर्जी बुकिंग होने पर रिसोर्ट आये तो, उन्हें इसके बारे में पता लगा।

6 महीने में 50 लाख की ठगी

आरोपियों ने 20 दिसंबर 2024 से 10 मई 2025 तक कई लोगों से करीब 50 लाख रुपये तक की ठगी कर ली है। जब पुलिस ने फर्जी वेबसाइट पर जुड़े नंबरों का पता किया तो, वह नंबर डीग जिले में सीकरी थाना इलाके के पाए गए। इस पर कल पश्चिम बंगाल पुलिस सीकरी पहुंची और, लोकेशन के आधार पर बेला गांव में दबिश दी।

कई नामी होटल की फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगी

जहां से दो सगे भाई जावेद और अमजद को गिरफ्तार किया गया। पुलिस दोनों आरोपियों की ट्रांजिट रिमांड पर पश्चिम बंगाल ले गई है। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह देश के कई नामी होटल की फजी वेबसाइट बना चुके हैं। जिनसे वह 2 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की ठगी कर चुके हैं।

सामूहिक विवाह समारोह सहित अन्य कार्यक्रमों में डॉ. गर्ग ने की शिरकत

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने रविवार को भरतपुर विधान सभा के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत की और कोली समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में भाग लेकर वर-वधूओं को आशीर्वाद देकर उनके खुशहाल जीवन की कामना की।

डॉ. गर्ग ने भरतपुर के घसौला, नगला कासौट, एसटीसी हाउसिंग बोर्ड, पक्का बाग आदि क्षेत्रों में पहुचकर लोगों के सुख-दुख में भागीदारी निभाई, साथ ही वैवाहिक समारोह में शिरकत कर वर वधुओं को आशीर्वाद देकर उनके खुशहाल जीवन जीने की कामना की। डॉ. गर्ग ने कोली समाज विकास समिति द्वारा आयोजित 6 जोडों के सामूहिक वैवाहिक सम्मेलन में भाग लेकर वर वधुओं को आशीर्वाद दिया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलनों से फिजूलखर्ची पर तो अंकुश लगता ही है साथ ही आपसी सामंजस्य तथा भाईचारा बढता है। उन्होंने आयोजक मंडल को भी शुभकामनाऐं दी।

इस दौरान डॉ. गर्ग का समिति अध्यक्ष बिस्साराम नेता, महामंत्री तारासिंह, लोकेश कुमार सहित समिति के अन्य सदस्याओं ने स्वागत किया।

डीग में प्रजापति समाज और नगर में जांगिड़ समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन

आपसी प्रेम और भाईचारे को मजबूत करते हैं सामूहिक विवाह सम्मेलन- जवाहर सिंह बेढम

बढ़ता राजस्थान

डीग (नि.स.)। सामूहिक विवाह समारोह केवल पारिवारिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि यह समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकजुटता को मजबूत करने का एक सशक्त माध्यम हैं,अन्य समाजों को भी आगे आकर ऐसे अधिक से अधिक आयोजन करने चाहिए जिससे समाज में व्याप्त दहेज और दिखावे जैसी कुप्रथाओं पर लगाम लगाई जा सके यह बात डीग में जिला प्रजापति समाज द्वारा आयोजित दूसरे सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह करने वाले एक दर्जन जोड़ो को और नगर में जांगिड़ समाज के 11 सामूहिक विवाह सम्मेलन में नवविवाहित जोड़ों को सफल गृहस्थ जीवन का आशीर्वाद देते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहे । उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से सभी समाजों के बीच सौहार्द स्थापित करने के मिशन के लिए समर्पित हैं, ताकि यह क्षेत्र एकता की मिसाल कायम कर सके। बेढ़म ने राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल निर्देशन में राज्य सरकार सर्वसमाज के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सामाजिक योजनाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और हर वर्ग का जीवन स्तर ऊँचा उठे। गृह राज्य मंत्री बेढम ने आयोजकों की सराहना करते हुए इन कार्यक्रमों को हमारी समृद्ध परंपरा और प्रगतिशील आधुनिकता के सुंदर संगम का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल सामाजिक कुरीतियों और फिजूलखर्ची पर रोक लगती है, बल्कि यह हमारी भावी पीढियों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण भी प्रस्तुत करते हैं। बेढम संत रविदास सेवा समिति द्वारा आयोजित सर्वजातीय समाज एवं जाटव समाज के भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मिलित हुए। जहां सभी बिरादरी के लोगों और आयोजक समिति ने गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म का विशाल पुष्प-माला पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया।

घर पर आकर किया हमला, गोली लगने से युवक हुआ घायल,हायर सेंटर रेफर

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। उपखंड के सदर थाना क्षेत्र के सुनीपुर गांव में देर रात खेत मे खड़ी फसल को लेकर हुए एक ही परिवार के दो पक्षो में झगड़े का मामला सामने आया है। घटना में एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के घर पर आकर हमला किया गया। जिसमें एक युवक के सीने में गोली लगी है। घटना के बाद घायल युवक को बाड़ी अस्पताल लाया गया। जहां से गंभीर हालत के चलते चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया है। घटना को लेकर सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के सुनीपुर गांव में यह झगड़ा खेत में खड़ी फसल को लेकर हुआ है। खेत को

लेकर परिवार के चाचा,ताऊ के लडक़ों में झगड़ा चल रहा है। उक्त झगड़े को लेकर शनिवार की रात एक पक्ष के लोगो द्वारा दूसरे पक्ष के घर पर आकर हमला किया गया। उक्त हमले में 30 वर्षीय युवक पप्पू पुत्र ज्ञाननीराम मीणा के सीने में गोली लगी है। घटना के बाद घायल पप्पू को बाड़ी अस्पताल से हायर सेंटर रेफर किया है। घायल पप्पू के छोटे भाई नवल सिंह ने बताया की परिवार के लोगों की जो जमीन-जायदाद है उसका पूर्व में बटवारा हो चुका है लेकिन फिर भी दूसरे पक्ष के लोग उनकी जमीन पर कब्जा जमाने के लिए झगड़ा करते हैं। जिसमें उनके द्वारा खेत पर जो फसल की गई है। उसको लेकर झगड़ा हुआ था। हालांकि झगड़ा शांत भी हो गया था। लेकिन बाद में घर पर आकर सीधा हमला किया। जिसमें फायरिंग की गई।

घटना को लेकर अस्पताल के चिकित्सक डॉ आनंद वर्मा ने बताया कि सुनीपुर गांव से झगड़े के दौरान गन शॉट का मामला सामने आया है। जिसमे एक युवक पप्पू पुत्र ज्ञानी राम को अस्पताल लाया गया था।

ग्रामीण नवाचार और स्वदेशी उत्पादों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। देश में गौ आधारित अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक कृषि, जैविक उत्पादों, ग्रामीण उद्यमिता तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को सशक्त करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाला राष्ट्रीय गौ धन शिखर सम्मेलन 2025 आगामी 5 से 10 नवम्बर 2025 में भरतपुर के स्वदेशी उत्पादों की लगेंगी स्टालें ! यह आयोजन मेजर ध्यानचंद स्टेडियम, नई दिल्ली में भव्य रूप से आयोजित होगा।

यह सम्मेलन देशभर के गौपालकों, किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों, ग्रामीण उद्यमियों और नवप्रवर्तकों को एक साझा मंच प्रदान करेगा, जहाँ वे अपने उत्पादों

और नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित कर सकेंगे। आयोजन का उद्देश्य भारतीय परंपरा में निहित गौ संस्कृति, स्वदेशी उत्पादों और ग्रामीण आजीविका को नई पहचान देना है। इस आयोजन की तैयारियों के अंतर्गत कोर कमेटी की पूर्व बैठक दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने की। बैठक में आयोजन की सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा प्रतिभागी उद्यमियों को स्टॉल प्रबंधन, उत्पाद प्रस्तुति और प्रचार-प्रसार से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय गौ धन शिखर सम्मेलन 2025 न केवल गौ आधारित उत्पादों को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि यह ग्रामीण नवाचार, महिला सशक्तिकरण और युवाओं में आत्मनिर्भरता की भावना को भी सुदृढ़ करेगा। यह आयोजन परंपरा और प्रौद्योगिकी के संगम का एक अनूठा उदाहरण होगा, जहाँ ग्रामीण भारत की शक्ति और कौशल को पूरे देश के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

कॉन्स्टेबल को गोली मारने का आरोपी गिरफ्तार: कट्टा और कारतूस बरामद

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। धौलपुर पुलिस ने 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश भूपेन्द्र उर्फ भूपसिंह को गिरफ्तार किया है। उस पर पिछले साल जनवरी में राजाखेड़ा क्षेत्र में अवैध चंबल रेता निकासी रोकने गई पुलिस टीम पर हमला करने और एक कॉन्स्टेबल को गोली मारकर घायल करने का आरोप है। आरोपी के पास से एक अवैध देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर दिहौली थानाधिकारी दुर्ग सिंह और डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। टीम ने भूपेन्द्र उर्फ भूपसिंह (24) को रैहना वाली माता मंदिर के पास बीहड़ जंगलों से पकड़ा। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी पुलिस से बचने के लिए पुलिया से कूद गया, जिससे उसके दाहिने पैर में चोट आई। भूपेन्द्र पर आरोप है कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर 20 जनवरी को राजाखेड़ा थाना क्षेत्र में अवैध चंबल रेत निकासी रोकने गई पुलिस पार्टी पर फायरिंग की थी। इस हमले में कॉन्स्टेबल रामसहाय (690) गंभीर रूप से घायल हो गए थे, उन्हें गोली लगी थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने बाद में भी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी। यह इनामी बदमाश घटना के बाद से करीब एक साल से फरार चल रहा था।

महिलाओं ने जाना एफपीओ का स्वदेशी मॉडल

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (घनश्याम अवस्थी)। झज्जर पावर प्लांट (अपरवा) के सहयोग से हरियाणा के झज्जर जिले मे संचालित उद्योगिनी परियोजना के तहत हरियाणा 45 सदस्यीय महिलाओं का दल तीन दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर झज्जर से धौलपुर पहुंचा। इस भ्रमण का उद्देश्य मॉडल एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन) की कार्यप्रणाली, संगठनात्मक संरचना, व्यवसायिक गतिविधियों एवं सामुदायिक संस्थानों की सशक्त भूमिका को गहराई से समझना रहा, जो ग्रामीण महिला उद्यमिता को मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ। भ्रमण के दौरान दल ने मंजरी फाउंडेशन और

अपनी सहेली प्रोड्यूसर कंपनी की विभिन्न इंटरप्राइज यूनिट्स का गहन निरीक्षण किया। यहां महिलाओं ने स्थानीय उद्यमी महिलाओं से सीधा संवाद कर बिजनेस के गुण, उत्पादन प्रक्रिया, मार्केट लिंकेज, ब्रांडिंग तथा, एफ पी ओ मॉडल की व्यावसायिक बारीकियों को जाना। इन यूनिट्स में संचालित खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प एवं कृषि-आधारित उद्योगों ने झज्जर की महिलाओं को आत्मनिर्भरता की नई दृष्टि प्रदान की। इसके अतिरिक्त, दल ने सहेली प्रगति बसई नवाब फेडरेशन की कार्यकारिणी सदस्यों से औपचारिक मुलाकात की। फेडरेशन की संगठनात्मक संरचना, समूह गठन, ग्राम संगठन के संचालन नियम, वित्तीय प्रबंधन, शेयरधारिता मॉडल तथा सामुदायिक संस्थानों की नेतृत्वकारी भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई। दल की संयोजिका अनवेशा प्रधान ने कहा, कि संगठित प्रयास से महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से मजबूत हो सकती हैं, बल्कि सामुदायिक नेतृत्व भी संभाल सकती हैं।

पानी पीते वन्यजीवों का दीदार कर सकेंगे पर्यटक

कमलों से सुशोभित तलवी झील किनारे वन विहार कोठी बनेगी गेस्ट हाउस

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। टाइगर रिजर्व प्रबंधन वन विहार कोठी को जल्द ही गेस्ट हाउस के रूप में विकसित करेगा। यह सैलानियों के लिए रोमांचक होगा, क्योंकि वन विहार कोठी से सटी तलवी झील में वन्यजीव रात्रि में पानी पीने आते हैं। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो वे दिन दूर नहीं होंगे जब वनविहार सेंचुरी में कमलों से सुशोभित छोटी सी तलवी झील के किनारे चांद की रोशनी में नहाई वन विहार कोठी और कोठी की खिड़कियों से झील का मनोरम दृश्य और पानी पीते टाइगर, लेपर्ड, सांभर, चीतल, चिंकारा, भालू आदि वन्यजीवों का नजारा सैलानियों को रोमांचित करता दिखेगा। यान वाइल्डलाइफ के रोमांच को निकट से देखा और महसूस किया जा सकेगा।

वन विहार कोठी की कायाकल्प करने की तैयारी धौलपुर करौली टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने शुरू कर दी है। वन विहार कोठी में 4 बड़े सुईट, ड्राइंग रुम, बालकॉनी सहित तमाम सुविधाएं गेस्ट के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन सालों से कोठी बंद है।

ज्ञात रहे कि भजनलाल सरकार जिले में वन विभाग का अपना गेस्ट हाउस खोलना चाहती है। जहां वीआईपी गेस्ट, ट्यूरिस्ट और अफसर ठहर सकें। बता दें कि विगत माह प्रदेश के मुख्यमंत्री के पास टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में पीने के पानी व शौचालय नहीं होने की शिकायत आई थीं, मुख्यमंत्री ने इसे सुधरवाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए थे। सीएम ने वन अधिकारियों पर गेस्ट हाउसों को पर्यटकों के लिए खोलने में लापरवाही बरतने पर नाराजगी जताई थी इस पर सीएम ने वन विभाग के दो आलाधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश तक की। क्योंकि उन्होंने सभी जिलों में वन विभाग के गेस्ट हाउसों को पर्यटकों को उपलब्ध कराने के लिए कहा था। वन विहार, केसरबाग, रामसागर धौलपुर करौली टाइगर रिजर्व के कॉरिडोर में आ गए हैं। इसलिए अब टाइगर रिजर्व में सरकारी गेस्ट हाउस के रुप में वन विहार कोठी उपयुक्त माना जा रहा है। विभाग की मंशा है कि इसे पीपीपी मोड़ पर संचालन किया जाएगा। जिसके लिए सीएसआर फंड या टाइगर रिजर्व में मूलभूत सुविधाएं देते आ रहे फर्म कंपनी व भामाशाहों से संपर्क किया जा रहा है। करीब 9 साल पहले वन विहार सेंचुरी में इस कोठी को हैरिटेज फोरेस्ट लॉज वन विहार नाम दिया गया। तब वन विभाग व ट्यूरिस्ट डिपार्टमेंट ने 6 करोड़ की लागत से काम कराना तय किया था। इसमें वन विहार कोठी का संधारण, सौंदर्याकरण, जीर्णोद्धार एवं विकास कार्यो की रिपोर्ट शामिल थी। नई डिजायन मुंबई की आभा नारायन लांबा एसोसिएट कंजरवेशन आर्किटेक्ट कंसलटेंट ने बनाई है। वर्ष 2014-15 की घोषणा में यह धौलपुर को तोहफा मिला था, लेकिन वन अधिकारियों की लापरवाही से अधिकारी बदलते गए और ये योजना हवा हो गई। इतिहास विद् गोविंद शर्मा कहते हैं कि धौलपुर के पूर्व शासक उदयभान सिंह को वन्यजीवों से बेहद लगाव था। उन्होंने वर्ष 1938 में वन विहार कोठी का निर्माण कराया था।

> रियासत कालीन वन विहार कोठी को गेस्ट हाउस के रुप में तैयार कर इसे पीपीपी मोड़ पर संचालित करने की कवायद शुरू की है। इसके लिए रेंज अफसर को पूरी कोठी के रिनोवेशन का प्रस्ताव बनाने के लिए कितना बजट लगेगा, उसकी प्रपोजल तैयार किया जा रहा है। वहीं इसके संचालन व जीर्णोद्धार के लिए फंडव भामाशाहों से भी लगातार बात कर रहे हैं। कोठी का मौका मुआयना कर संभावनाएं तलाशी जा रही हैं।
>
> **-डॉ आशीष व्यास,** डीसीएफ, टाइगर रिजर्व

अनार की खेती से आसान है ज़्यादा उपज लेना

देश के हर किसान का सपना है कि वह कम समय और पैसे में अधिक लाभ कमाए। इसके लिए वह अपने क्षेत्र के अनुसार खेती करता है। इसकी खेती से लाखों तक की कमाई हो सकती है। खास बात यह है कि इसके लिए ज्यादा लागत लगाने की ज़रूरत नहीं है। बता दें कि अनार की खेती गर्म प्रदेशों में होती है। भारत में अनार की खेती अधिकतर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और गुजरात में होती है। इसका पौधा 3 से 4 साल में पेड बन जाता है और फल देना शुरू कर देता है। अनार के एक पेड से लगभग 25 सालों तक फल मिल सकता है। आज हम अपने इस लेख में अनार की उन्नत खेती के बारे में जानकारी देने वाले हैं।

अनार के पौधे के रोपण का समय

अगर किसान अनार की खेती कर रहे हैं तो पौधा रोपण से लगभग 1 महीना पहले गड्ढे खोद लें। ध्यान रहे कि ये गड्ढे लगभग 60 सेमी लंबे, 60 सेमी चौड़े और 60 सेमी गहरे होने चाहिए। साथ ही इनकी सामान्यतः दूरी 4 से 5 मीटर की होनी चाहिए। अब गड्ढों को लगभग 15 दिनों तक खुला छोड़ दें। इसके बाद लगभग 20 किग्रा पकी हुई गोबर की खाद, 1 किग्रा सिंगल सुपर फॉस्फ़ेट, 0.50 ग्राम क्लोरो पायरीफास का चूर्ण तैयार कर इन सभी को गड्ढों की सतह से 15 सेमी. ऊंचाई तक भर दें।

सिंचाई

अनार एक सूखी फसल है इसलिए इसकी ज्यादा उपज पाने के लिए सिंचाई करना ज़रूरी माना जाता है। इसकी खेती अगर गर्मियों में कर रहे हैं तो लगभग 5 से 7 दिनों बाद सिंचाई कर देनी चाहिए। अगर सर्दियों का मौसम है, तो लगभग 10 से 12 दिनों में सिंचाई कर देनी चाहिए। ध्यान रहे कि इसके पौधों के लिए बूंद-बंद सिंचाई अच्छी मानी जाती है।

उपयुक्त जलवायु और मिट्टी

अनार के पौधों को अगस्त या फिर फरवरी-मार्च में लगा सकते हैं। इसकी खेती के लिए यह समय उपयुक्त माना जाता है। इसकी खेती सभी प्रकार की मिट्टी में कर सकते हैं। इसके बाद किसानों को लगभग 3 से 4 साल बाद पेड फल देने लगता है। अनार की खेती की खास बात है कि इसमें एक बार निवेश करने से सालों तक लाभ कमा सकते हैं।

अनार की किस्में

देश में अनार की कई किस्में पाई जाती हैं लेकिन आप अपने क्षेत्र के अनुसार इसका चयन कर सकते हैं, जिसमें उपज करने से अच्छी कमाई हो सके।

- अरक्त। कंधारी
- ढोलका जालोर बेदाना
- ज्योति पेपर सेल
- भगवा गणेश
- रूबी मृदुला

पौधों को रोगों से बचाएं

अनार के पौधों में सडने वाले कीडे लगने का खतरा बना रहता है। इसके लिए पौधों पर कीटनाशक का छिडकाव करें। साथ ही पौधों के आस-पास साफ-सफाई रखें। अगर सर्दियों का मौसम है तो पौधों को पाले से बचाएं। इसके लिए गंधक का तेज़ाब छिडकते रहें।

फलों की तुड़ाई

अनार की खेती में पेड़ से फल तभी तोड़ना चाहिए, जब फल पूरे तरीके से पक जाएं। बता दें कि लगभग 120 से 130 दिनों बाद फल तुडाई के लिए तैयार हो जाते हैं।

एक पेड़ से मिलते हैं इतने फल

अनार की खेती में अच्छी देखभाल और उन्नत प्रबन्धन अपनाने से एक पेड़ से लगभग 80 किलो फल मिल सकते हैं। ध्यान दें कि पौधों के बीच की दूरी कम होनी चाहिए, जिससे पौधे लगाने से प्रति हेक्टयर लगभग 4800 क्विंटल तक फल मिल सकें। ऐसे में एक हेक्टयर से 8 से 10 लाख रुपए सालाना कमाया जा सकता है। यह कम लागत में ज्यादा लाभ कमाने का आसान तरीका है।

बटेर पालन देगा कम लागत में ज्यादा मुनाफा

देश में मांस और अंडे का व्यवसाय तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में किसान पशुपालन कर अच्छीखासी कमाई कर रहे है। किसान अपने क्षेत्र के आधार पर पशुपालन करते है। इसी कड़ी में कम जगह और कम लागत में किसान बटेर पालन का व्यवसाय शुरु कर सकते है। इससे काफी अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। बता दें कि देश में व्यवसायिक मुर्गी पालन, चिकन फार्मिंग, बतख पालन के बाद तीसरे स्थान पर जापानी बटेर पालन का व्यवसाय आता है।

आपको बता दें कि जापानी बटेर के अंडे का वजन उसके वजन का आठ प्रतिशत होता है, जबकि मुर्गी का तीन प्रतिशत ही होता है। भारत में जापानी बटेर को 70 के दशक में अमेरिका से लाया गया था। बटेर पालन को कम लागत के साथ शुरु किया जा सकता है।

बटेर पालन में आवास का प्रबंधन

बटेर पालन को पिंजड़ा और बिछावन विधि से किया जाता है, यह हवादार और रोशनीदार होना चाहिए। जिसमें प्रकाश और पानी की व्यवस्था अच्छी हो। बटेर अधिक गर्म वातावरण में रह सकती है। बताया जाता है कि एक व्यस्क बटेर को करीब 200 वर्ग सेमी जगह में रखना चाहिए। ध्यान रहे कि इन पर सूर्य की सीधी रोशनी न पड़ें, तो वहीं इनको सीधी हवा से भी बचाना चाहिए। इसके अलावा बटेर के चूज़ों को पहले दो सप्ताह तक 24 घंटे प्रकाश की जरुरत होती है। इनको गर्मी पहुंचाने के लिए बिजली या फिर अन्य स्त्रोत की व्यवस्था रखें। अगर व्यस्क बटेर या अंडा देने वाली बटेर है, तो इनको करीब 16 घंटे रोशनी और करीब 8 घंटे का अंधेरे में रखना जरुरी है। इससे बटेरों से मांस उत्पादन ज्यादा प्राप्त होता है।

बटेर का आहार

बटेर को उचित मात्रा में आहार देना चाहिए, ताकि इनसे अच्छा मांस और अंडे प्राप्त हो सके। बटेक के चूजे की शारीरिक वृद्वि अच्छी हो। इसके लिए करीब 6 से 8 प्रतिशत शीरे का घोल 3 से 4 दिनों के अंतर पर देते रहे। तो वहीं इनके आहार में 0-3 सप्ताह तक 25 प्रतिशत और 4 से 5 सप्ताह में 20 प्रतिशत प्रोटीनयुक्त आहार देना चाहिए। इनको मक्का, मूंगफली, सोयाबीन, खनिज लवण, विटामिन्स, कैल्शियम उचित मात्रा में देते रहना चाहिए।

बटेर की लिंग पहचान

अगर आप बटेरों का पालन करना चाहते है, तो इनके लिंग की पहचान करना आना चाहिए। सबसे पहले बता दें कि इनकी पहचान मुर्गी चूज़ों की तरह एक दिन की आयु पर होती है। लेकिन अगर चूजें तीन सप्ताह के है, तो इनको पंखो के रंग के आधार पर पहचाना जाता है, जिसमें नर के गर्दन के नीचे के पंखों का रंग लाल, भूरा, धूसर और मादा की गर्दन के नीचे के पंखों का रंग हल्का लाल और काले रंग के धब्बेदार होता है। तो वहीं मादा बटेरों के शरीर का भार नर से करीब 15 से 20 प्रतिशत ज्यादा होता है।

बटेरों से अंडा उत्पादन

बटेर अपने दैनिक अंडा उत्पादन का करीब 70 प्रतिशत दोपहर के 3 बजे से 6 बजे के बीच करती है, बाकि अंधेरे में देती है। इन अंडों को 3 से 4 बार में इकट्ठा करना चाहिए। अंडे से बच्चा निकालने के लिए (ब्रीडर बटेर पैरेंट) नर और मादा 10 से 28 सप्ताह आयु के बीच के होने चाहिए। एक नर बटेर के साथ करीब 2 से 3 मादा बटेरों को रखें। बटेरों के चोंच, पैर के नाखून थोड़ा काट दें, जिससे एक-दूसरे को घायल न कर सके। ।

बटेर पालन की खास बातें

- बटेर पालन को कम जगह में कर सकते है।
- इनका आकार छोटा होता है, इसलिए इनका रख-रखाव काफी आसान से हो जाता है।
- इनमें करीब 5 सप्ताह में मांस तैयार हो जाता है।
- बटेर में किसी भी प्रकार के टीकाकरण की जरुरत नहीं होती है। इनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है।
- बटेर के अंडें और मांस में अमीनो एसिड, विटामिन, वसा और खनिज लवण की प्रचुर मात्रा होती है।

फूल ना सिर्फ आपको मानसिक शांति देते हैं बल्कि आपको मनोवैज्ञानिक तौर पर शांति एवं सकारात्मक माहौल भी प्रदान करते हैं। ऐसे अगर आप चाहें तो सर्दियां के मौसम में तरह-तरह के फूलों से अपने घर-आंगन को सुंदर एवं मनमोहक बना सकते हैं। इस लेख के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे फूलों के बारे में बताने जा रहे हैं जो बहुत सस्ते लेकिन सुंदरता के मामले में मंत्रमुग्ध करने वाले हैं। इनको लगाने से घरों में साक्षात बहार के आने का अनुभव होता है।

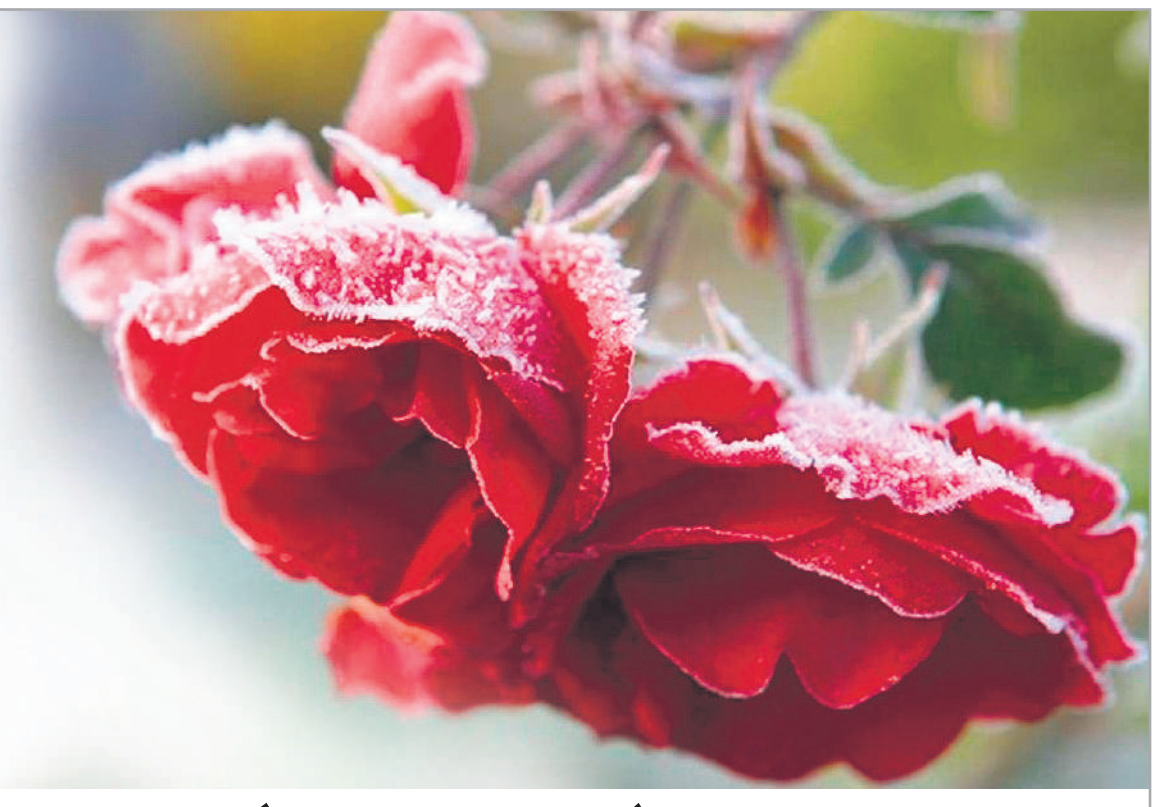

सर्दियों में लगाएं ये फूल, महकेगा घर आंगन

तुलिप का फूल

तुलिप का पौधा अपने प्यारें मनमोहक फूलों के लिए प्रसिध्द है। ये देखने में अधिक प्यारे लगते हैं। इनका रंग सफेद, काला, लाल या पीला हो सकता है। इसके अलावा ये नीले या मिक्स कलर में भी उगते हैं। इस पौधे को गमलों में आराम से लगाया जा सकता है।

जरबेरा का फूल

जरबेरा के पौधे को सर्दियों में बहुत आसानी से लगाया जा सकता है। ये दखने में बहुत ही मनभावन होता है और बडे स्तर पर इसका व्यवसायिक उत्पादन किया जाता है। ये अलग-अलग रंगों में उपलब्ध है।

फ्रेसिया

सुंदरता के मामले में फ्रेसिया का कोई जवाब नहीं है। शायद यही कारण है कि इस पौधों को फूलों की अप्सरा भी कहा जाता है। फूलों के साथ-साथ इसका पौधा भी अपनी सुंदरता के लिए लोगों में प्रसिध्द है। गांवों के अलावा शहरों में भी लोग इसे आम तौर पर लगाते हैं।

गुलाब

सर्दियों का नाम लेते ही लोगों को गुलाब के पौधे का ख्याल आता है। ये पौधा सर्दियों के मौसम में आसानी से लग जाता है। अपनी सुंदरता और मनमोहक सुगंध के लिए इसे प्यार करने वालों का फूल या बलिदान का फूल भी कहा जाता

है। आज के समय में गुलाब की सैकड़ों प्रजातियां उपलब्ध है और हजारों वैरायटियों को लेकर रिसर्च हो रहें हैं। सर्दियों में इसका पौधा अपने वास्तविक रंग में खिलता है।

कड़ाके की सर्दी पडने से सरसों समेत हरी सब्जियों की खेती में काफी नुकसान हो रहा है जिससे किसानों की मुश्किल बड़ती जा रही है और कई हिस्सों में सर्दी तथा ठंडी हवाओं के चलते तापमान 4 डिग्री से नीचे तक जा सकता है जिसके कारण कई किसानों को आलू, चना, सरसों आदि फसलों के नुकसान होने के साथ ही उन पर रोग का खतरा बड़ता जा रहा है तथा तापमान गिरने से सरसों में तना सडन् रोग तेजी से फैल रहा है दरअसल सर्दी आते ही सरसों में कई तरह के रोफ लग जाते हैं। जिससे फसल को काफी ज्यादा नुकसान होता है। सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य रोग एवं उनका निदान इस प्रकार है

सरसों के मुख्य रोग एवं नियंत्रण

अल्टरनेरिया झुलसा

सरसों का यह रोग बहुत ही महत्वपूर्ण है और इस रोग के लगने से 15-71 प्रतिशत तक उत्पादन में कमी हो जाती है। इस रोग का मुख्य लक्षण पौधे के पूरे भाग में दिखाई देता है तथा सबसे पहले यह रोग पत्तियों पर दोनों तरफ गहरे या भूरे रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। जिसमें गोल-गोल झल्ला जैसा स्पष्ट नजर आते हैं जो कि आगे चलकर तने एवं फलियों पर भी फैल जाते हैं तथा यह रोग सरसों,राई एवं बांकला पर भी लगता है।

रोकथाम

- रोग वाले भाग को मिट्टी के गड्ढे में दबा दें।
- गर्मी के समय में 1-2 जुताई करें तथा समय से सरसों की बुवाई करें।

सरसों की फसल पर इंडोफिल एम-45 (2 किलोग्रम) को 1000 लीटर पानी में घोलकर उस समय प्रयोग करें जब फसल में 75 प्रतिशत फूल आ चुके हों इसके बाद 10-12 दिन के अन्तराल पर 2-3 छिड़काव करें। या फिर मैन्कोजेब 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

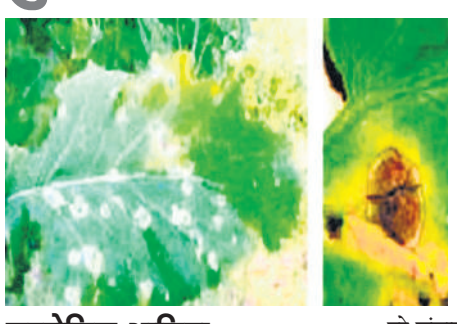

मृदुरोमिल आसिता

सरसों का यह रोग मृदुरोमिल आसिता तथा इस रोग के लगने से 20-45 प्रतिशत तक उत्पादन में कमी हो जाती है। और यह रोग भी फफूंद के कारण लगता है। रोग का लक्षण सबसे पहले नयी पत्तियों के निचली सतह पर बैंगनी भूरे रंग के छोटे गोल धब्बे बनते हैं। जो कि आकार में बढ़ जाते हैं। पत्तियों की निचली सतह पर बैंगनी रंग की मृदुरोमिल आसिता दिखाई पड़ती है और ऊपरी सतह पर पीले धब्बे पड़ जाते हैं।

रोकथाम

सरसों का स्वस्थ तथा प्रमाणित बीज बोयें। पौधों के अवशेषों को जलाकर नष्ट कर दें। रोग दिखाई देने पर रिडोमिल या मेटालेक्जिल 0.25 प्रतिशत का छिड़काव करें।

सफेद गेरुई रोग

सरसों का सफेद गेरुई रोग बहुत ही खतरनाक है तथा इस रोग के लगने से 23-55 प्रतिशत तक उत्पादन में कमी हो जाती है। तथा यह रोग पूरे संसार में पाया जाता है। और यह रोग भी फफूंद के कारण लगता है। इस रोग का लक्षण सबसे पहले पत्तियों की निचली सतह पर सफेद एवं पीले फफोले जैसे पड़ जाते हैं। और इस रोग के कारण पौधे का सही तरीके से बढ़वार नहीं हो पाती है। तथा फूल बदरंग हो जाते हैं।

रोकथाम

सरसों के स्वस्थ बीज की बुवाई करें और समय से 10-25 अक्टूबर के बीच में बोयें।

खेत से खरपतवार आदि निकाल कर साफ रखें क्योंकि यह रोग खरपतवारों पर रहता है। रिडोमिल या मेटालेक्जिल 0.25 प्रतिशत छिड़कें।

तीसरे टी20 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया, अर्शदीप के बाद सुंदर चमके

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में रविवार (2 नवंबर) को 5 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही 3 मैचों के बाद सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। होबार्ट के बेलरिव ओवल स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन बनाए। भारत ने 18.3 ओवर में 5 विकेट पर 188 रन बनाए।

होबार्ट में भारत का यह पहला टी20 मैच था। ऑस्ट्रेलिया यहां पहली बार टी20 हारी। 2010 में पहली बार खेली थी।ऑस्ट्रेलिया के लिए टिम डेविड और मार्कस स्टोइनिस ने अर्धशतक जड़ा। भारत के लिए अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह को विकेट नहीं मिला, लेकिन वह काफी किफायती साबित हुए। भारत के लिए वाशिंगटन सुंदर ने शानदार बल्लेबाजी की। इसके अलावा जितेश शर्मा ने भी छोटी, लेकिन बेहतरीन पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया के लिए टिम डेविड ने 74 और मार्कस स्टोइनिस ने 64 रन बनाए। मैथ्यू शॉर्ट 26 और जेवियर बार्टलेट 3 रन बनाकर नाबाद रहे। ट्रेविस हेड 6, जोश इंग्लिस 1, मिचेल ओवन बगैर खाता खोले आउट हुए। भारत के लिए अर्शदीप सिंह ने 3, वरुण चक्रवर्ती ने 2 और शिवम दुबे ने 1 विकेट लिए।

भारत के लिए वाशिंगटन सुंदर ने 23 गेंद पर 49 रन बनाकर नाबाद रहे। जितेश शर्मा 13 गेंद पर 22 रन बनाकर नाबाद रहे। तिलक वर्मा 29, अभिषेक शर्मा 25 और सूर्यकुमार यादव 24 रन बनाकर नाबाद रहे। अक्षर पटेल 17 और शुभमन गिल 15 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस ने 3 विकेट लिए। जेवियर बार्टलेट और मार्कस स्टोइनिस ने 1-1 विकेट लिए।

भारत की प्लेइंग 11 में तीन बदलाव हुए। संजू सैमसन, कुलदीप यादव और हर्षित राणा की जगह जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर और अर्शदीप सिंह को मौका मिला। ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 में एक बदलाव हुआ। जोश हेजलवुड की जगह सीन एबट को मौका मिला। चौथा मैच चौथा मैच गुरुवार (6 नवंबर) को गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा।

'तेजस्वी यादव सत्ता में आए तो बिहार में हत्या, अपहरण और रंगदारी के विभाग' खुल जाएंगे'- शाह

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने बिहार के मुजफ्फरपुर और वैशाली की जनसभाओं में लालू प्रसाद यादव के परिवार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर तेजस्वी यादव सत्ता में आए तो बिहार में हत्या, अपहरण और रंगदारी जैसे अपराधों के 'तीन नए विभाग' बन जाएंगे. वहीं, एनडीए सरकार बनी तो बिहार को बाढ़मुक्त करने के लिए अलग मंत्रालय बनाया जाएगा।

मुजफ्फरपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव को सत्ता मिली, तो बिहार में 'हत्या, अपहरण और रंगदारी' के तीन नए विभाग खुल जाएंगे. उन्होंने आरोप लगाया कि आरजेडी के शासन में बिहार ने पहले ही 'जंगलराज' का दौर देखा है, जिसे जनता दोबारा नहीं देखना चाहती. शाह ने कहा कि अगर एनडीए को जनता दोबारा मौका देती है, तो बिहार को पूरी तरह बाढ़मुक्त बनाने के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया जाएगा. उन्होंने दावा किया कि एनडीए सरकार विकास के नए युग की शुरुआत करेगी और किसानों के खेतों तक कोशी, गंगा और गंडक नदियों का पानी पहुंचाया जाएगा। वैशाली में हुई दूसरी सभा में शाह ने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने वोट से 'आरजेडी के जंगलराज की वापसी' को रोकें. उन्होंने कहा कि एनडीए में शामिल बीजेपी, जेडीयू, एलजेपी (आरवी), हम और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी मिलकर 'पांच पांडवों' की तरह बिहार को समृद्धि की राह पर ले जाएंगे।

मोदी सरकार की योजनाओं का जिक्र

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित और समृद्ध हुआ है. उन्होंने बताया कि बिहार के लिची उत्पादकों के लिए जीएसटी में कमी की गई है और मुजफ्फरपुर में 20,000 करोड़ रुपये की लागत से एक मेगा फूड पार्क बनाया जाएगा।

सीता और राम मंदिर को जोड़ेगी वंदे भारत ट्रेन

शाह ने घोषणा की कि सीता मंदिर के निर्माण के बाद बिहार के सीतामढ़ी से अयोध्या तक एक विशेष वंदे भारत ट्रेन शुरू की जाएगी. उन्होंने कहा कि यह सेवा अयोध्या के राम मंदिर और सीतामढ़ी के सीता मंदिर को धार्मिक रूप से जोड़ने का काम करेगी, जिससे पर्यटन और रोजगार दोनों बढ़ेंगे।

नेतन्याहू ने हमास को खत्म करने का संकल्प दोहराया

बढ़ता राजस्थान

यरुशलम (एजेंसी)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को हमास को निहत्था करने और गाजा पट्टी को पूरी तरह से असैन्य क्षेत्र बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पिछले महीने लागू हुए सीजफायर के बावजूद बचे हुए आतंकी समूहों को निशाना बनाती रहेगी। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने मंत्रियों से कहा, "गाजा के कुछ हिस्सों में, जो हमारे नियंत्रण में हैं, हमास के कुछ सेल अभी भी सक्रिय हैं, और हम उन्हें व्यवस्थित तरीके से खत्म कर रहे हैं।" उन्होंने इसके लिए दक्षिणी गाजा में राफा और खान यूनिस के इलाकों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, "हमास को निहत्था करना और गाजा पट्टी को डीमिलिटराइज (असैन्य क्षेत्र) करना हमारा प्रमुख सिद्धांत है," और कहा कि यह एक ऐसा लक्ष्य है जिस पर वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहमत हुए थे। तो इसे दूसरे तरीके से हासिल किया जाएगा।" नेतन्याहू ने लेबनान की सरकार से हिजबुल्लाह को निहत्था करने के अपने समर्पण को लागू करने का भी आग्रह किया, ग्रुप पर फिर से हथियार जमा करने का आरोप लगाया, और चेतावनी दी कि अगर जरूरी हुआ तो इजरायल आत्मरक्षा में कार्रवाई करेगा।

गाजा में सैन्य ऑपरेशन करती रहेगी इजरायली सेना

नेतन्याहू ने कहा कि इजरायली सेना गाजा में मौजूद सैनिकों की सुरक्षा के लिए काम करती रहेगी, और कहा कि इजरायल अपने अमेरिकी सहयोगियों को ऑपरेशन्स के बारे में बताएगा "लेकिन उनकी इजाजत नहीं मांगेगा।" उन्होंने कहा कि इजरायल अपनी "सबसे बड़ी सुरक्षा जिम्मेदारी" से कोई समझौता नहीं करेगा।

गाजा पर इजरायली हमले जारी

उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब व्हाइट हाउस युद्धविराम को बनाए रखने और बंधकों को छुड़ाने की कोशिश कर रहा है। इजरायली हमले जारी हैं, हालांकि उनकी रफ्तार कम हो गई है। गाजा के हेल्थ अधिकारियों ने रविवार को कहा कि तीन हफ्ते पहले सीजफायर शुरू होने के बाद से इजरायली गोलीबारी में कम से कम 236 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 600 घायल हुए हैं, जिससे 7 अक्टूबर, 2023 से अब तक मरने वालों की कुल संख्या 68,865 हो गई है।

54 साल पुराना रिश्ता... जयशंकर के साथ फिर बैठेंगे बहरीन के विदेश मंत्री

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजयानी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की पांचवीं बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए भारत पहुंचे हैं। इस बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। यह यात्रा भारत और बहरीन के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रविवार को एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि बहरीन साम्राज्य के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजयानी का हार्दिक स्वागत है। वह विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ पांचवीं भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों में सकारात्मक गति को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है।

उच्च संयुक्त आयोग भारत और बहरीन के बीच बहुआयामी साझेदारी को गहरा करने और उसकी समीक्षा करने के लिए एक प्रमुख संस्थागत तंत्र के रूप में कार्य करता है। बैठक के नवीनतम संस्करण में सहयोग के मौजूदा क्षेत्रों में प्रगति का जायजा लेने के अलावा व्यापार, निवेश, वित्तीय प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों के बीच आदान-प्रदान के नए रास्ते तलाशने की उम्मीद है।

1971 से राजनयिक संबंध

भारत और बहरीन के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों पर आधारित दीर्घकालिक संबंध हैं। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध 1971 से चले आ रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बहरीन में बड़ा भारतीय समुदाय रहता है और राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, द्विपक्षीय व्यापार में पेट्रोलियम उत्पाद, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य पदार्थ जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

पाकिस्तान को चुभेगा भारत का 'त्रिशूल'... ऑपरेशन सिंदूर के बाद आर्मी, युद्धाभ्यास

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार आर्मी, नेवी और एयरफोर्स मिलकर एक बड़ा युद्धाभ्यास करने जा रहे हैं। ये ट्राई सर्विस यानी तीनों सेनाओं की एक्सरसाइज का नाम दिया गया है- त्रिशूल। इसको इंडियन नेवी लीड कर रही है और कल यानी 3 नवंबर से यह एक्सरसाइज शुरू होगी और अगले 10 दिनों तक बहुत बड़े स्केल पर ये युद्धाभ्यास होने जा रहा है। इंडियन नेवी के प्रवक्ता कैप्टन विवेक मधवाल ने कहा कि वेस्टर्न नेवल कमांड हेडक्वॉर्टर तीनों सेनाओं के साथ मिलकर इस अभ्यास को कर रहा है। इसमें राजस्थान और गुजरात के क्रीक और रेगिस्तानी इलाकों में बड़े पैमाने पर ऑपरेशंस किए जाएंगे। साथ ही उत्तर अरब सागर में समुद्री और एंफीबियस (Amphibious) ऑपरेशंस भी होंगे। गुजरात तट और उत्तर अरब सागर को कवर करने वाले इस अभ्यास में आर्मी सदर्न कमांड, वेस्टर्न नेवल कमांड और साउथ वेस्टर्न एयर कमांड मुख्य रूप से शामिल हो रही है। इंडियन कोस्ट गार्ड, बीएसएफ और दूसरी केंद्रीय एजेंसियां भी इसमें भाग लेंगी। त्रिशूल एक्सरसाइज के जरिए सभी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और जॉइंट ऑपरेशन क्षमता को और मजबूत किया जाएगा।

'बिहार के लोगों से ज्यादा उन्हें सत्ता से प्यार', सचिन पायलट का नीतीश कुमार पर हमला

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने रविवार (02 नवंबर, 2025) को आरोप लगाया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्य के लोगों से ज्यादा सत्ता और कुर्सी से प्यार है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए पायलट ने यह भी कहा कि बिहार में भाजपा की 'बैसाखी' विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद छीन ली जाएगी।

पायलट ने कहा, "अपने '400 पार' के दावे के उलट, भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में 250 सीटें भी नहीं ला पाई। उसे केंद्र में सरकार बनाने के लिए बिहार और आंध्र प्रदेश में अपनी 'बैसाखियों' का सहारा लेना पड़ा।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नीतीश कुमार भाजपा के सामने बेबस हो गए हैं।

पायलट ने कहा, "ये वही नीतीश कुमार हैं, जिन्होंने नरेंद्र मोदी को बिहारियों के सैकड़ों काटे हुए नाखून कूरियर किए थे, जब प्रधानमंत्री ने डीएनए पर सवाल उठाए थे। अब मुख्यमंत्री की कुर्सी के मोह ने उन्हें लाचार कर दिया है।" कांग्रेस नेता ने कहा कि एनडीए नेता जिस 'डबल इंजन' की बात करते रहते हैं, वह सभी फ्रंट पर फेल हो गया है।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र
मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण
किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

'हिंसा बर्दाश्त नहीं, आयोग के लिए सभी दल समान'; बिहार विधानसभा चुनाव पर कानपुर में बोले CEC ज्ञानेश कुमार

बढ़ता राजस्थान

कानपुर: (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार में शांतिपूर्ण और पारदर्शी विधानसभा चुनाव का आश्वासन दिया और हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस की बात दोहराई। मुख्य चुनाव आयुक्त ने एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि चुनाव आयोग हिंसा को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करता। बिहार में चुनाव शांतिपूर्ण, कानूनी और पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न होंगे और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक मतदाता को अपनी इच्छा व्यक्त करने और इस लोकतांत्रिक उत्सव में भाग लेने का अवसर मिले। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि उम्मीद है कि बिहार के सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

बिहार चुनाव का पहला चरण 6 नवंबर, दूसरा चरण 11 नवंबर को है। वहीं, मतगणना 14 नवंबर को होगी। इससे पहले कानपुर में माथुर वैश्य समाज द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए दुनिया की सबसे बड़ी कवायद बताया। उन्होंने कहा कि जिस दिन 12 राज्यों के 51 करोड़ मतदाताओं के नाम वाली मतदाता सूची शुद्ध हो जाएगी, वह ऐतिहासिक होगा और ऐसा पहले कभी नहीं किया गया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि जब पूरे देश में एसआईआर पूरा हो जाएगा तो आपको अपने ईसीआई और सीईसी दोनों पर गर्व महसूस होगा। बिहार चुनाव में किसी भी तरह की हिंसा न होने देने के बारे में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का आश्वासन राज्य पुलिस द्वारा देर रात की कार्रवाई में मोकामा से अनंत सिंह को दुलारचंद यादव की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किए जाने के कुछ ही घंटों के भीतर आया।

पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय शर्मा द्वारा पुष्टि की गई कि यह गिरफ्तारी 6 नवंबर को होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से कुछ ही दिन पहले हुई है, जिससे राज्य के राजनीतिक हलकों में खलबली मच गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह हिंसक घटना 30 अक्टूबर को मोकामा के खुशहाल चक के पास हुई। जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी, जिन्हें लल्लू मुखिया के नाम से भी जाना जाता है, अपने समर्थकों के साथ प्रचार कर रहे थे। उनके साथ 75 वर्षीय दुलारचंद यादव भी थे।

लगभग उसी समय, अनंत सिंह और उनके समर्थक कथित तौर पर उसी रास्ते से गुजर रहे थे। दोनों गुटों के बीच बहस जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई, जिसमें पथराव और मारपीट हुई। इस अफरा-तफरी में दुलारचंद यादव को गंभीर चोटें आईं और कुछ ही देर बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उनकी मृत्यु के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया और स्थिति को और अधिक बिगड़ने से रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस, हमीदपुरा रोड, खंडवा, निवाई, टोंक (राज.) से मुद्रित एवं बढ़ता राजकीय महाविद्यालय के पास एनएच-12 बाईपास निवाई, टोंक (राजस्थान) प्रकाशित, संपादक तनुजा पठान*। प्रधान संपादक राम बिलास विजयवर्गीय (मो. 9414242258, 9214048888, जयपुर: फोन 0141-2796794, 95, टोंक कार्यालय: बाईपास, निवाई, टोक (मो. 9414823448), अलवर कार्यालय: मेहताब सिंह का नोहरा, अलवर (मो. 7877309346), कोटा कार्यालय: छावनी मेन रोड, कोटा (मो. 7023350734), ई-मेल: badhatarajasthan@yahoo.com; "पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार